राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,06 जनवारी-2023 वर्ष-5,अंक-340 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

राजौरी और पुंछ में अतिरिक्त जवान तैनात महबूबा ने पूछा हालात ठीक हैं तब और फौज की जरुरत क्यों

जम्मू । हाल में ही जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले को देखकर सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। राजौरी और पुंछ में सीआरपीएफ के 2000 से अधिक जवानों को तैनात किया गया है। जानकारी के मुताबिक राजौरी और पुंछ जिलों में सुरक्षा को मजबूत करने कदम उठाया गया है। इस लेकर अब राजनीति भी शुरू हो गई है। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भाजपा पर ही सवाल उठा दिया है। महबूबा ने कहा कि यहां और सुरक्षा बल लाने से मसला तब हल नहीं होगा बल्कि यहां पर दो भाइयों को आपस में लड़ाने की स्थिति बन जाएगी। महबूबा ने सवाल खड़े कर कहा कि अगर हालात ठीक है तब भाजपा यहां पर और फौज क्यों ला रही है? उन्होंने साफ कहा कि इसका यही मतलब है कि बीजेपी यहां की स्थिति को कंट्रोल करने में पूरी तरह नाकामयाब हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि राजौरी और पुंछ जिलों में सुरक्षा मजबूत करने के लिए बड़ी संख्या में सीआरपीएफ की 20 से अधिक कंपनियों को तैनात किया जा रहा है जिसमें दो हजार से अधिक जवान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ के महानिरीक्षक और अन्य शीर्ष अधिकारी जवानों की तैनाती की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की तैनाती जारी है। उन्होंने कहा कि ऐसा राजौरी और पुंछ में अल्पसंख्यक क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए किया जा रहा है।

बीएसएफ के द्वारा मारे गए घुसपैठिए की पहचान हुई

अमृतसर । भारतीय बार्डर पर दाखिल हुए घुसपैठिए की पहचान हुई है। जानकारी के अनुसार बीएसएफ द्वारा मार गिराए गए घुसपैठिए की पाकिस्तान ने पहचान की है। इतना ही नहीं पाक रेंजर्स ने बीएसएफ से मृतक के शव देने की भी मांग की गई है। पाक रेंजर्स का कहना है कि शव को वह परिवारिक सदस्यों को दिया जाएगा। बीएसएफ द्वारा मारे गए घुसपैठिए की पहचान एमडी इद्रीश निवासी गांव दाऊद पाकिस्तान के रूप में हुई है। पाक रेंजर्स द्वारा 2 दिन बाद पहचान होने के बाद घुसपैठिए का शव मांगा जा रहा है। घुसपैठिया पंप गन के साथ बार्डर पर दाखिल हुआ था। बता दें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रामदास इलाके में एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को गोली मार दी थी जिससे उसकी मौत हो गई।

सम्मेद शिखर पर पर्यटन और इको टूरिज्म एक्टिविटी पर रोक लगे, पर्यावरण मंत्रालय ने राज्य सरकार को निर्देश जारी किया

नेशनल डेस्क: केंद्र सरकार ने जैन तीर्थ स्थल सम्मेद शिखर को सभी पर्यटन और इको टूरिज्म एक्टिविटी पर रोक लगाने का निर्देश जारी किया है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को दिल्ली में जैन समाज के प्रतिनिधियों से मीटिंग की थी। भूपेंद्र यादव ने मीटिंग के बाद कहा, झारखंड के पारसनाथ पहाड़ पर स्थित जैनियों के पवित्र तीर्थस्थल सम्मेद शिखर की पवित्रता की रक्षा का आग्रह करने वाले जैन समुदाय के लोगों से मिला। उन्हें आश्वासन दिया कि क्क्र नरेंद्र मोदी जी की सरकार सम्मेद शिखर सहित जैन समाज के सभी धार्मिक स्थलों पर उनके अधिकारों की रक्षा और संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार ने 2019 में किया नोटिफाई 2019 में केंद्र सरकार ने सम्मेद शिखर को इको सेंसिटिव जोन घोषित किया था। इसके बाद झारखंड सरकार ने एक संकल्प जारी कर जिला प्रशासन की अनुशंसा पर इसे पर्यटन स्थल घोषित किया। गिरिडीह जिला प्रशासन ने नागरिक सुविधाएं डेवलप करने के लिए 250 पन्नों का मास्टर प्लान भी बनाया है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा राहुल बाबा सुन ले.....

2024 में गगनचुंबी राम मंदिर बनकर तैयार होगा

अगरतला ।(एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरूवार को त्रिपुरा के दौरे पर पहुंचे। जहां शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर जमकर हमला किया। शाह ने कहा कि राहुल बाबा सुन लें 2024 में गगनचुंबी राम मंदिर बनकर तैयार होगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन रहा है और 1 जनवरी 2024 तक राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। गौरतलब है कि त्रिपुरा में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। भाजपा ने त्रिपुरा सीपीआईएम के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया था। भाजपा की नजरें त्रिपुरा में दूसरी बार सरकार बनाने पर हैं।

शाह ने कहा कि हमारी सरकार ने कश्मीर से धारा 370 हटाने का काम किया है। कांग्रेस ने कहा कि खून की नदियां बहेंगी लेकिन कश्मीर में शांति कायम है। शाह ने कहा कि भाजपा ने पिछले 5 वर्षों में त्रिपुरा में जो विकास किया है वह सिर्फ शुरुआत है सिर्फ एक ट्रेलर और पिक्चर अभी बाकी है को न भूलें! मैं राज्य के लोगों को विश्वास दिलाता हूं प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में त्रिपुरा जल्द ही भारत का सबसे समृद्ध राज्य बनेगा! शाह ने सीपीआई पर निशाना साधकर कहा कि पीएम मोदी जी ने चलो पलटाई मंत्र दिया जिसके साथ त्रिपुरा के लोगों ने कम्युनिस्ट शासन को राज्य से बाहर कर दिया। कम्युनिस्टों ने पूरे त्रिपुरा को नशे का अड्डा बना दिया। बांग्लादेश से घुसपैठियों के लिए दरवाजा खोल दिया गया था। पहले इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं था बीजेपी सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर त्रिपुरा में टूरिज्म को 5 साल में 11 गुना बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्ट सरकार द्वारा बनाए गए हिंसा के माहौल को हमारी सरकार ने खत्म कर दिया है।त्रिपुरा में कम्युनिस्ट शासन के दौरान जिस हिंसा और घुसपैठ का सामना करना पड़ा वह भाजपा के सत्ता में आने के बाद से गायब हो गई है।

गृह मंत्री आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राज्य सरकार की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा की दो 'रथ यात्रा' को हरी झंडी दिखाने के लिए त्रिपुरा में हैं। शाह ने कहा कभी मादक पदार्थों की तस्करी हिंसा और बड़े पैमाने पर राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के लिए जाना जाने वाला त्रिपुरा अब विकास उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे खेल में उपलब्धियों बढ़ते निवेश और जैविक खेती गतिविधियों के लिए जाना जाता है।

अब 2023 में पश्चिम से पूरब तक होगी भारत जोड़ो यात्रा-जयराम रमेश

शामली ।
कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' के प्रभारी पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने कहा है कि 2023 में पश्चिम से पूरब तक ऐसी ही यात्रा निकाली जाएगी। इस पर विचार हो रहा है। इसमें हम उन राज्यों में जाएंगे जहां इस बार नहीं जा पाएं हैं। उन्होंने बताया कि 26 जनवरी से 26 मार्च तक 'हाथ से हाथ जोड़ो' अभियान चलाया जाएगा। भारत जोड़ो यात्रा एक इवेंट नहीं मूवमेंट है और ये चलता रहेगा। गुरुवार की सुबह उप्र के शामली जिले के एलम से भारत जोड़ो यात्रा फिर शुरू हुई। जो बाद में कैराना पहुंची। यहां के ऊंचागांव में पांच घंटे का ठहराव रहा। उसके बाद ऊंचागांव से दोपहर में करीब तीन बजे यात्रा फिर शुरू हुई और शाम को पानीपत बॉर्डर से हरियाणा में प्रवेश कर गयी। इससे पूर्व कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ऊंचागांव में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने बताया कि सोनिया गांधी की तबीयत ठीक नहीं है। इसलिए राहुल ने यूपी में यात्रा के साथ रात्रि विश्राम नहीं किया। दिल्ली चले गए। वहीं जयराम रमेश ने बताया कि कांग्रेस ने तय किया है कि यात्रा पूरी होने के बाद 200 यात्रियों को 'भारत यात्री' का दर्जा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जयराम रमेश ने कहा कि देश के सामने तीन बड़े खतरे हैं। आर्थिक विषमताएं सामाजिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक तानाशाही। उन्होंने आगे कहा कि हमारे प्रधानमंत्री की नीतियों की वजह से इन खतरों का सामना करना पड़ रहा है। ये भारत जोड़ो यात्रा मन की बात नहीं है। राहुल गांधी कम बोलते हैं और ज्यादा सुनते हैं। ये 'चुनाव जीतो यात्रा' नहीं है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा नहीं मूवमेंट है। ये चलता रहेगा।

भारत में ओमिक्रॉन के 11 सब-वेरिएंट्स के मिलने की पुष्टि कोविड टीका सभी पर असरदायक

नई दिल्ली ।
दुनिया भर में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के बीच भारत में अब तक एयरपोर्ट और बंदरगाह से आए अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की जांच में ओमिक्रॉन के 11 सब-वेरिएंट्स के मिलने की पुष्टि हुई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक 24 से 4 जनवरी के बीच में कुल 19227 अंतरराष्ट्रीय मुसाफिरों की स्क्रीनिंग की गई है। इस बीच विदेश से आने वाले 124 लोग अब तक कोरोना संक्रमित पाए गए हैं जिन्हें आइसोलेट किया गया है। वहीं इन संक्रमित मरीजों में 11 वेरिएंट्स के मिलने की पुष्टि हुई है जिसमें तेजी से दुनिया भर में पैर पसार रहा एक्सबीबी वेरिएंट्स भी शामिल है। एक्सपर्ट्स के अनुसार इन सभी वेरिएंट पर भारतीय टीकों ने संतोषजनक असर दिखाया है इसलिए फिलहाल नई वैक्सीन की जरूरत नहीं महसूस हुई है।

चीन सहित लैटिन अमेरिकी देशों में कोरोना ने हाहाकार मचा दिया है। भारत में भले ही अभी कोरोना का भयावह रूप नहीं दिख रहा है। लेकिन एक्सबीबी वेरिएंट के मामलों में 65 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है। उत्तर भारत में एक्सबीबी वेरिएंट के मरीज मिल रहे है। समझने की बात है कि नवंबर तक तीन चौथाई मामलों में इसके मामले थे मगर अब यह बढ़कर 65 फीसदी हो गया है।

नई दिल्ली में गुरुवार को सैन्य इंजीनियर सेवाओं के अधिकारी प्रशिक्षुओं ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

पंचायतों से जलआपूर्ति प्रबंधन पर कार्य योजना तैयार करने का आग्रह किया : पीएम मोदी

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पंचायतों से जलआपूर्ति प्रबंधन पर एक कार्य योजना तैयार करने का आग्रह किया। अखिल भारतीय वार्षिक राज्य मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा ग्राम पंचायतों को अगले पांच वर्षों के लिए एक कार्य योजना तैयार करनी चाहिए जहां जल आपूर्ति से लेकर स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन तक एक रोडमैप पर विचार किया जाना चाहिए। प्रत्येक ग्राम पंचायत भी एक मासिक या त्रैमासिक रिपोर्ट ऑनलाइन जमा कर सकती है जिसमें गांव में नल का पानी प्राप्त करने वाले घरों की संख्या जाहिर की गई। पीएम मोदी ने कहा कि पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर पानी की जांच की व्यवस्था भी विकसित की जानी चाहिए। पीएम मोदी ने कहा वाटर विजन एट द रेट 2047 अगले 25 साल की यात्रा का अहम आयाम है। जब जनता किसी अभियान से जुड़ी होती है तब उस काम की गंभीरता का भी पता चलता है। प्रधानमंत्री ने सभा को सूचित किया कि प्रति बूंद अधिक फसल अभियान के तहत देश में अब तक 70 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को सूक्ष्म सिंचाई के तहत लाया गया है। मोदी ने कहा हमारी नदियां हमारे जल निकाय पूरे जल पारिस्थितिकी तंत्र का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन हर घर को पानी उपलब्ध कराने के लिए राज्य का एक प्रमुख विकास पैरामीटर है।

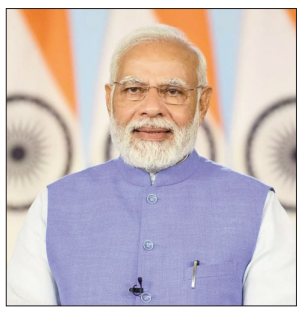

तालिबानी फरमान पर जावेद अख्तर ने पूछा भारतीय मुस्लिम गुरु चुप क्यों हैं

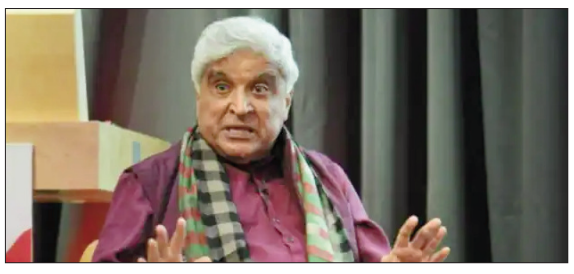

मुंबई ।(एजेंसी)

हमेशा अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहने वाले गीतकार जावेद अख्तर ने अब तालिबान को लेकर भारतीय मुस्लिम पर्सनल बोर्ड पर सीधा निशाना साधा है। जावेद ने ट्विटर पर लिखा कि तालिबानियों ने इस्लाम के नाम पर सभी महिलाओं और लड़कियों के स्कूल-कॉलेजों में शिक्षा प्राप्त करने और नौकरियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। लेकिन भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और अन्य इस्लामिक विद्वान इसकी निंदा क्यों नहीं करते। उन्होंने सवाल पूछा कि क्या ये सभी तालिबान से सहमत हैं? बता दें कि हाल ही में अफगानिस्तान के तालिबान शासकों ने देश की महिलाओं के लिए विश्वविद्यालय शिक्षा पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। इस लेकर जावेद अख्तर ने भारत में मुस्लिम लॉ बोर्ड और इस्लामिक विद्वानों पर कड़ा प्रहार किया है। तालिबान के महिलाओं की उच्च शिक्षा पर प्रतिबंध लगाने के फैसले पर भारत में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि भारत ने हमेशा अफगानिस्तान में महिला शिक्षा का समर्थन किया है। बागची ने तालिबान से संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के अनुरूप अपने नागरिकों के मानवाधिकारों को बनाए रखने का आग्रह किया। बागची ने कहा मैं संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव 2593 को याद करना चाहता हूं जो महिलाओं सहित मानवाधिकारों को बनाए रखने के महत्व की पुष्टि करता है और यह संकल्प रोजमर्रा की जिंदगी में महिलाओं की समान और सार्थक भागीदारी का भी आह्वान करता है।

बीजेपी की नीति युवाओं किसानों व मजदूरों को डराने की: राहुल

बागपत ।(एजेंसी)

पश्चिम यूपी में भारत जोड़ो यात्रा के दूसरे दिन राहुल गांधी ने बुधवार को बागपत में कहा कि कैसा है मोदी सरकार का 'न्यू इंडिया'। पूरे दिन चलने के बाद शाम छह बजे के करीब बड़ौत के छपरौली चौराहे पर सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने लोगों के स्नेह और अपने ऊपर बरसाए गए 卐प्यार卐 के लिए उनको धन्यवाद दिया। उन्होंने अग्निवीरों की समस्या को उठाते हुए कहा पहले युवा 15 साल सेना में नौकरी करते थे और पेंशन पाते थे लेकिन नरेंद्र मोदी ने सोचा कि पेंशन को अलग रखा जाए 6 महीने ट्रेनिंग करें फिर बंदूक पकड़ लें 4 साल नौकरी में रहें फिर आपको बाहर निकाल दिया जाएगा। इसके बाद आप बेरोजगार हो जाएंगे। यह न्यू इंडिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसके बाद जब युवा सड़कों पर उतरते हैं तो मोदी जी ने कहा कि अगर (विरोध के दौरान) आपकी फोटो खींची गई तो आपको सरकारी नौकरी नहीं मिल पाएगी। बीजेपी की नीति युवाओं किसानों और मजदूरों को डराने की है। राहुल ने कहा कि पश्चिम यूपी में किसान लंबे समय से गन्ने के बकाये की समस्या से जूझ रहे हैं लेकिन सरकार पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। उन्होंने कहा पश्चिम यूपी यानी गन्ना बेल्ट में यह एक गंभीर समस्या। ये करोड़ों रुपये तक है। राहुल ने बढ़ती कीमतों बढ़ती बेरोजगारी के बारे में बात करते हुए कहा कृषि कानूनों का विरोध करने वालों ने कृषि समुदाय के कल्याण के लिए अपना जीवन लगा दिया लेकिन मूक-बधिर सरकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। योजना और तथ्य यह है कि सरकार ने कुछ कॉरपोरेट्स के लाभ के लिए काम किया। राहुल गांधी ने कहा कि मैं (भारत जोड़ो) यात्रा में टी-शर्ट पहनकर चलता हूं। यात्रा में मेरे साथ गरीब किसान मजदूरों के कई बच्चे फटे कपड़े पहनकर चलते हैं लेकिन मीडिया यह नहीं पूछता कि सर्दी के मौसम में गरीब किसानों और मजदूरों के बच्चे बिना स्वेटर/जैकेट के क्यों चल रहे हैं। मेरी टी-शर्ट पर सवाल असली मुद्दा नहीं है लेकिन भारत के बच्चों किसानों और मजदूरों का सर्दियों में बिना गर्म कपड़ों के घूमना असली मुद्दा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

लक्षित हिंसा

लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत से अंग्रेजों को विदा हुए तो 75 वर्ष हो गए लेकिन भारत के भद्रलोक पर आज भी अंग्रेजी सवार है। देश का राज-काज संसद का कानून अदालतों के फैसलों और ऊँची नौकरियों में अंग्रेजी का वर्चस्व बना हुआ है। ज्यों ही इंटरनेट मोबाइल फोन और वेबसाइट का दौर चला लोगों को लगा कि अब हिंदी और भारतीय भाषाओं की कब्र खुद कर ही रहेगी। ये सब आधुनिक तकनीकें अमेरिका और यूरोप में से उपजी हैं। वहाँ अंग्रेजी का बोलबाला है। ये तकनीकें भारत में भी तूफान की तरह फैल रही थीं। जो लोग अंग्रेजी नहीं जानते थे लेकिन मोबाइल फोन इंटरनेट या वेबसाइटों का इस्तेमाल करना चाहते थे उन्हें मजबूरन अंग्रेजी (कामचलाऊ) सीखनी पड़ती थी लेकिन भारत के भद्रलोक को अब पता चला है कि उल्टे बाँस बरेली पहुंच गए हैं। हिंदी के श्रेष्ठ अखबार 'भास्कर' ने जो ताजातरीन सर्वेक्षण छापा है वह भारतीय भाषा प्रेमियों को गदगदायमान कर रहा है। उसके अनुसार देश के 89 प्रतिशत लोग स्वभाषाओं का प्रयोग करते हैं। अंग्रेजी लिखने बोलने समझनेवालों की संख्या देश में सिर्फ 12.85 करोड़ याने मुश्किल से 10 प्रतिशत है। सिर्फ ढाई लाख लोगों ने अपनी मातृभाषा अंग्रेजी बता दी है। कितने शर्म की बात है कि हमारे देश में इन ढाई लाख लोगों की मातृभाषा भारत के 140 करोड़ लोगों की दादीभाषा बनी हुई है? लेकिन खुशी की बात यह है कि 90 के दशक में इंटरनेट की 80 प्रतिशत सामग्री अंग्रेजी में होती थी अब वह 50 प्रतिशत के आस-पास लुढ़क गई है याने लोग स्वभाषाओं का इस्तेमाल बड़ी फुर्ती से बढ़ाने लगे हैं। इंटरनेट ने अनुवाद को इतना सरल बना दिया है कि आप दुनिया की प्रमुख भाषाओं की सामग्री कुछ क्षणों में ही अपनी भाषा में बदल सकते हैं। अनुवाद का उद्योग आजकल अकेले भारत में 4.27 लाख करोड़ रु. का हो गया है। जाहिर है कि भारत में सिर्फ विदेशी भाषाओं से ही देशी भाषाओं में अनुवाद नहीं होता स्वदेशी भाषाओं में भी एक-दूसरे का अनुवाद होता है। भारत में दर्जनों भाषाएं हैं इसीलिए यह दुनिया का सबसे बड़ा अनुवाद उद्योग घराना शीघ्र ही बन जाएगा। इससे भारत की एकता सबल होगी और पारस्परिक भाषाई विद्वेष भी घटेगा। भारत की फिल्में भारत में ही नहीं पड़ौसी देशों में भी बड़े उत्साह से देखी जाती हैं। यदि उनका रूपांतरण भी उनकी भाषाओं में सुलभ होगा तो इन सब देशों की एकता और सांस्कृतिक समीपता में वृद्धि होगी। भारतीय जनता को भी पड़ौसी देशों के अखबारों और फिल्मों का लाभ इस अनुवाद प्रक्रिया के जरिए जमकर मिलता रहेगा। यदि संपूर्ण दक्षिण और मध्य एशिया के देशों में हम भाषाई सेतु खड़ा कर सकें तो कुछ समय में ही हम संपूर्ण आर्यावर्त्त क्षेत्र को यूरोप से अधिक संपन्न और शक्तिशाली बना सकते हैं।

क्रांतिवीर तात्या टोपे : आजादी के प्रथम स्वाधीनता समर का अपराजेय योद्धा

1857 की क्रांति में तात्या टोपे ने छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा शुरू की गई 'गुरिल्ला युद्धशैली' (छापामार युद्धशैली) को अपनाकर आजादी की लड़ाई को अपनी शहादत तक निरन्तर जारी रखा। तात्या टोपे के साहसपूर्ण कार्य और विजय अभियान रानी लक्ष्मीबाई के साहसिक कार्यों और विजय अभियानों से कम रोमांचक नहीं थे। रानी लक्ष्मीबाई के युद्ध अभियान जहां केवल झांसी कालपी और ग्वालियर के क्षेत्रों तक सीमित रहे थे वहीं तात्या टोपे एक विशाल राज्य के समान कानपुर से राजपूताना और मध्य भारत तक फैल गए थे।

(06 जनवरी तात्या टोपे जयन्ती पर विशेष/ लेखक- प्रहलाद भारती)

ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ भारत के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के महानायक रामचन्द्र पांडुरंगराव येवलेकर अर्थात तात्या टोपे की 06 जनवरी को जयंती है। अपनी वीरता और रणनीति के लिये विख्यात महानायक तात्या टोपे का जन्म 1814 में येवला ग्राम में एक देशस्थ कुलकर्णी परिवार में हुआ था। तात्या की माँ का नाम श्रीमती रुक्मिणी बाई व पिता पाण्डुरंगराव भट्ट येवलेकर थे। तात्या का परिवार 1818 में नाना साहब पेशवा के साथ ही बिठूर आ गया था। अंग्रेजों द्वारा हर कदम पर भारत और भारतीयों के विरुद्ध खेली जा रही चालों के विरुद्ध एक देशव्यापी अभियान संगठित रूप से चलाने में नाना साहब पेशवा के साथ तात्या टोपे का एक बड़ा योगदान था। यह अभियान 1857 के संग्राम से काफी पहले से आरम्भ होकर तात्या टोपे की मृत्यु तक निर्बाध चलता रहा। 1857 की क्रांति में तात्या टोपे ने छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा शुरू की गई 'गुरिल्ला युद्धशैली' (छापामार युद्धशैली) को अपनाकर आजादी की लड़ाई को अपनी शहादत तक निरन्तर जारी रखा। तात्या टोपे के साहसपूर्ण कार्य और विजय अभियान रानी लक्ष्मीबाई के साहसिक कार्यों और विजय अभियानों से कम रोमांचक नहीं थे। रानी लक्ष्मीबाई के युद्ध अभियान जहां केवल झांसी कालपी और ग्वालियर के क्षेत्रों तक सीमित रहे थे वहीं तात्या टोपे एक विशाल राज्य के समान कानपुर से राजपूताना और मध्य भारत तक फैल गए थे। कर्नल ह्यूरोज जो मध्य भारत युद्ध अभियान के सर्वेसर्वा थे ने यदि रानी लक्ष्मीबाई की प्रशंसा 'उन सभी में सर्वश्रेष्ठ वीर' के रूप में की थी तो मेजर मीड को लिखे एक पत्र में उन्होंने तात्या टोपे के विषय में यह कहा था कि - वह भारत की आजादी के युद्ध के राजनेताओं में बहुत ही विप्लवकारी प्रकृति के थे और उनकी संगठन क्षमता भी प्रशंसनीय थी।' तात्या टोपे ने आजादी के आंदोलन के उस समय के सभी क्रांतिकारी नेताओं की अपेक्षा शक्तिशाली ब्रिटिश शासन की नींव को कहीं अधिक ताकत और सामर्थ्य के साथ हिलाकर रख दिया था। उन्होंने शत्रु के साथ लंबे समय तक संघर्ष जारी रखा। जब स्वतंत्रता संघर्ष के सभी नेता एक-एक करके अंग्रेजों की श्रेष्ठ सैनिक शक्ति से पराभूत हो गए तो उस स्थिति में भी तात्या टोपे अकेले ही क्रांति की पताका फहराते रहे। उन्होंने लगातार नौ महीनों तक उन आधे दर्जन ब्रिटिश कमांडरों को छकाया जो उन्हें पकड़ने की कोशिश कर रहे थे। वे अपराजेय ही बने रहे। तात्या टोपे अंग्रेज सेनापतियों को नाकों चने चबवाते रहे। उदाहरण है उत्तर में अलवर से लेकर दक्षिण में नयापुरा तक और पश्चिम में उदयपुर से लेकर पूर्व में सागर तक का इतिहास। तात्या टोपे के व्यक्तित्व में विशिष्ट आकर्षण था। जानलैंग ने जब उन्हें बिठूर में देखा था तो वे उनके व्यक्तित्व से प्रभावित नहीं हुए थे। उन्होंने तात्या के विषय में लिखा है कि - वह औसत ऊंचाई लगभग पांच फीट आठ इंच और इकहरे बदन के लेकिन दृढ़ व्यक्तित्व के थे। देखने में सुंदर नहीं थे। उनका माथा नीचा नाक नासाछिद्रों के पास फैली हुई और दांत बेतरतीब थे। उनकी आंखें प्रभावी और चतुरता से भरी हुई थी। जैसी कि अधिकांश एशियावासियों में होती हैं किंतु उसके ऊपर उनकी विशिष्ट योग्यता के व्यक्ति के रूप में कोई प्रभाव नहीं पड़ा।' 'बाम्बे टाइम्स' के संवाददाता ने तात्या टोपे से उनकी गिरफ्तारी के बाद भेंट की थी और 18 अप्रैल 1859 के संस्करण में लिखा था कि- ''तात्या न तो खूबसूरत हैं और न ही बदसूरत किंतु वह बुद्धिमान हैं। उनका स्वभाव शांत और निर्बाध है। उनका स्वास्थ्य अच्छा और कद औसत है। उन्हें मराठी उर्दू और गुजराती का अच्छा ज्ञान था। वे इन भाषाओं में धारा-प्रवाह बोल सकते थे। वह रूक-रूक कर किंतु स्पष्ट रूप से एक नपी-तुली शैली में बोलते थे। किंतु उनकी अभिव्यक्ति का ढंग अच्छा था और वे श्रोताओं को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते थे। यह सच है कि तात्या अपनी वाक-शक्ति और समझाने की अपनी शक्ति से प्राय: अपने विरोधियों की सेनाओं को भी समझाकर अपने पक्ष में मिला लिया करते थे।'' पाड़ौन के जंगल में तात्या टोपे के साथ विश्वासघात हुआ। राजा मानसिंह अंग्रेजों से मिल गया और उसकी गद्दारी के कारण तात्या टोपे 08 अप्रैल 1859 को सोते समय में पकड लिए गये। रणबाँकुरे तात्या को कोई जागते हुए नहीं पकड सका। विद्रोह और अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध लडने के आरोप में 15 अप्रैल 1859 को शिवपुरी में तात्या का कोर्ट मार्शल किया गया। कोर्ट मार्शल के सब सदस्य अंग्रेज थे। परिणाम जाहिर था उन्हें मौत की सजा दी गयी। शिवपुरी के किले में उन्हें तीन दिन बंद रखा गया। 18 अप्रैल 1859 को शाम पाँच बजे तात्या को अंग्रेज कंपनी की सुरक्षा में बाहर लाया गया और हजारों लोगों की उपस्थिति में खुले मैदान में फाँसी पर लटका दिया गया। कहते हैं तात्या फाँसी के चबूतरे पर दृढ कदमों से ऊपर चढ़े और फाँसी के फंदे में स्वयं अपना गला डाल दिया। इस प्रकार तात्या टोपे मध्यप्रदेश और शिवपुरी जिले की मिट्टी का अभिन्न हिस्सा बन गये। कर्नल मॉलसन ने 1859 में 1857 की क्रांति का इतिहास लिखा है। उन्होंने लिखा है कि - तात्या टोपे चम्बल नर्मदा और पार्वती की घाटियों के निवासियों के 'हीरो' बन गये हैं। सच तो ये है कि तात्या सारे भारत के 'हीरो' बन गये हैं। पर्सीक्रास नामक एक अंग्रेज ने लिखा है कि - भारत की आजादी के पहले समर 1857 की आजादी के आंदोलन की जंग में तात्या सबसे प्रखर मस्तिष्क के नेता थे। उनकी तरह कुछ और लोग होते तो अंग्रेजों के हाथ से भारत छीना जा सकता था। मित्र ही नहीं शत्रु भी तात्या टोपे के सैनिक अभियानों को जिज्ञासा और उत्सुकता से देखने और समझने का प्रयास करते थे। उनके विरोधी भी उनकी प्रशंसा करते थे। कर्नल माल्सन ने उनके संबंध में कहा है ''भारत में संकट के उस क्षण में जितने भी सैनिक नेता उत्पन्न हुए तात्या टोपे उनमें सर्वश्रेष्ठ थे।'' सर जार्ज फॉरेस्ट ने उन्हें ''सर्वोत्कृष्ट राष्ट्रीय नेता ''कहा है। आधुनिक अंग्रेजी इतिहासकार पर्सीक्रास स्टेडिंग ने सैनिक क्रांति के दौरान देशी पक्ष की ओर से उत्पन्न 'विशाल मस्तिष्क' कहकर उनका सम्मान किया है। पर्सीकास स्टेंडिंग ने उनके विषय में यह भी लिखा है कि - ''तात्या टोपे विश्व के प्रसिद्ध छापामार नेताओं में से एक थे।''

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

आज का राशीफल

विश्व युद्ध अनाथ दिवस

6 जनवरी/ लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद

विश्व युद्ध अनाथ दिवस हर वर्ष 6 जनवरी के दिन मनाया जाता है। किसी भी युद्ध संघर्ष या खराब परिस्थिति में बच्चों का समूह ऐसा होता है जो सबसे कमजोर और वंचित होता है। ऐसे बच्चों को अपना स्कूल शुरू करने में युद्ध की वजह से मिले मानसिक आघातों से उबरने में और अपना जीवन सामान्य रूप से शुरू करने में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए ऐसे बच्चों को विशेष देखभाल और संरक्षण की जरूरत होती है। यह दिवस ऐसे बच्चों की उम्र बढ़ने के दौरान उनके सामने आने वाली मानसिक सामाजिक आर्थिक भावनात्मक और शारीरिक परेशानियों के विषय में जागरूकता फैलाना और इन परेशानियों को दूर करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करता है। यह दिवस इसलिए मनाया जाता है ताकि ऐसे बच्चों की समस्याओं को कम करके उनको समाज में एक बेहतर जीवन देने का प्रयास किया जा सके। क्योंकि ऐसे उपेक्षित बच्चों को बिना उनके परिवार के अकेले दुनिया में छोड़ दिया जाता है और उनकी देख - रेख करने वाला कोई नहीं होता है। विश्व युद्ध अनाथ दिवस को मनाने की शुरुआत भी इसलिए ही हुई है ताकि पूरे विश्व को उनका परिवार बनाया जा सके और उनको किसी भी प्रकार की कठिनाई महसूस ना हो। यह दिवस 6 जनवरी को मनाने की शुरुआत सॉस इफेंटस येन डेटरेसेस (SOSEED) नामक फ्रांसीसी संगठन द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य था संघर्ष या युद्ध से प्रभावित हुए बच्चों की सहायता करना और उनके जीवन को सामान्य और बेहतर बनाने के लिए कार्य करना। इस संगठन ने इस दिवस की शुरुआत द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने के पश्चात की थी। द्वितीय विश्व युद्ध 194 5 में खत्म हुआ था उसके बाद विश्व युद्ध अनाथ दिवस की शुरुआत की गई थी। इस दिवस का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत महत्व है। यह दिवस संघर्ष में अनाथ हुए बच्चों के लिए मुख्य रूप से महत्व रखता है। ऐसे बच्चों की स्थिति को पूरे विश्व के सामने लाने और उनकी इस स्थिति को सुधारने के लिए विश्व युद्ध अनाथ दिवस का विशेष महत्व है। विश युद्ध अनाथ दिवस के निम्नलिखित महत्व हैं :-

- इस दिन संघर्ष और युद्ध में अनाथ हुए बच्चों की स्थिति के विषय में जागरूकता फैलाने के लिए कई तरह के जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।
- ऐसे अनाथ बच्चों के सामने आने वाली समस्याओं के विषय में दुनिया को अवगत कराया जाता है और यह सुनिश्चित किया जाता है की हर आदमी ऐसे बच्चों तक उनके शैक्षिक और स्वास्थ्य संबन्धित अवसरों को पहुंचाने की अपनी ज़िम्मेदारी समझें।
- जागरूकता कार्यक्रमों के जरिये ऐसे बच्चों के लिए बुनियादी स्वछता स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसी सुविधाओं तक पहुँच जैसे विषयों पर ज़ोर दिया गया है।
- ऐसे बच्चे जब अनाथालय में अपना जीवन बिताते हैं और बड़े होते हैं तो उन्हे सामाजिक मानसिक भावनात्मक और शारीरिक कठिनाओं को झेलना पड़ता है। इन कठिनाइयों के चलते उनकी मानसिक स्थिति बहुत पेचीदा और दयनीय हो जाती है। उनको मानसिक और सामाजिक तौर पर अच्छा माहौल प्रदान करने के लिए यह दिवस विशेष महत्व रखता है।

उद्देश्य

इस दिवस का मुख्य उद्देश्य है युद्ध या संघर्ष में अनाथ हुए बच्चों के जीवन को सामान्य रूप से शुरू करने में उनकी हर तरह से सहायता करना। वैश्विक समुदायों में ऐसे बच्चे सबसे कमजोर और वंचित वर्ग में शामिल हैं। ऐसे बच्चों की मानसिक स्थिति के विषय में समझना और उनको मानसिक आघातों से उबरने के लिए सहायता करना भी विश्व युद्ध अनाथ दिवस का उद्देश्य है। विषय युद्ध अनाथ दिवस के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :-

- विश्व को ऐसे बच्चों की मानसिक स्थिति के विषय में जागरूक करना।
- ऐसे बच्चों को बाकी बच्चों के जैसे समान अवसर और बुनियादी सुविधाओं तक पहुँच जैसे विषय में ध्यान रखना।
- ऐसे बच्चों को उनका स्कूल शुरू करने में सहायता करना।
- ऐसे बच्चों के मानसिक आघातों को ठीक करने के लिए प्रयास करना।
- ऐसे बच्चों की महामारी के दौरान सुरक्षा करना।ऐसे बच्चों को समान अवसर मिले इस मुद्दे के विषय में सुनिश्चित करना की हर व्यक्ति इस प्रयास में अपनी ज़िम्मेदारी समझे।
- ऐसे बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक वैश्विक मंच उपलब्ध करवाना।

मुख्य तथ्य

- संयुक्त राष्ट्र बाल कोशके अनुसार 卐मृत्यु की किसी भी वजह से एक या फिर दोनों माता - पिता को 18 वर्ष से कम आयु में खो देने वाले को अनाथ कहा जाता है卐
- 2015 में आई एक रिपोर्ट के अनुसार पूरे विश्व में उस समय लगभग 140 मिलियन बच्चे अनाथ थे।
- यूनिसेफ के अनुसार 2001 से अनाथों की संख्या धीरे धीरे घट रही है। एक अनुमान के अनुसार द्वितीय विश्व युद्ध ने लाखों अनाथों का निर्माण किया था लगभग 2 लाख युगोस्लाविया और 3 लाख पोलैंड में अनाथ हुये।
- अफगानिस्तान में लगभग 30 साल की लड़ाई के पश्चात अब लगभग 2 मिलियन बच्चे अनाथ हैं जिनमें से लगभग 6 लाख से ज्यादा सड़कों पर सोते हैं।
- यूनिसेफ ऐसे बच्चों को साक्ष्य आधारित हिंसा को रोकने में प्रतिक्रिया और हस्तक्षेप जैसे सेवाएँ 140 से भी ज्यादा देशों में प्रदान करता है।
- यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार गरीबी संघर्ष बीमारी महामारी प्राकृतिक आपदाओं चिकित्सा आवश्यकताओं की कमी के कारण लगभग 5700 बच्चे हर रोज अनाथ हो जाते हैं।

सारांश

अनाथ बच्चे मौन शिकार होते हैं हिंसा के ऐसे बच्चे संघर्ष संसाधनों की लड़ाई और युद्ध के बीच बड़े हो जाते हैं। हिंसा के कारण परिवार टूट जाते हैं जिसके कारण एक अनाथ बच्चे को खुद की और अपने छोटे बहन और भाई की देख रेख करनी पड़ती है। ऐसी स्थिति में बहुत से बच्चे यौन शोषण के शिकार भी बन जाते हैं।

इसलिए हर व्यक्ति को अपनी यह ज़िम्मेदारी समझनी चाहिए की ऐसे बच्चे अगर उनके आस पास हों तो उनकी सामान्य जीवन शुरू करने में हर संभव कोशिश करें उनका स्कूल शुरू करवाएँ और यह सुनिश्चित करने की उनको हर सुविधाएं और अवसर समान रूप से मिल रहे हैं की नहीं।

विचार मंथन

बोलने की आजादी पर पाबंदी नहीं

(लेखक - सनत जैन/)

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिए अपने एक फैसले में मंत्रियों सांसदों और विधायकों की बोलने की आजादी पर पाबंदी लगाने से साफ इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि किसी भी आपत्तिजनक बयान के लिए उसे जारी करने वाले मंत्री को ही व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार माना जाना चाहिए। बोलने की आजादी हर नागरिक का अधिकार है। संविधान के दायरे में जाकर उस पर रोक नहीं लगाई जा सकती है। मंत्री सांसद एवं अन्य के आपत्तिजनक बयान के लिए सरकार को जिम्मेदार नहीं बनाया जा सकता है। जिसने बयान दिया कि वही जिम्मेदार माना जाएगा। पांच सदस्यों की संविधान पीठ में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने अनुच्छेद 19 (2) के अलावा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ज्यादा प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता है। उन्होंने यह जरूर कहा कि कोई भी व्यक्ति बतौर मंत्री अपमानजनक बयान देता है तो ऐसे बयानों के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है अर्थात हर बयान को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखने की जरूरत है। संविधान पीठ ने जो फैसला दिया है उसने सभी जजों ने अभिव्यक्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों से जोड़कर बताया है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरीके से मंत्री विधायक सांसद जो बयान देते हैं वह बहुत आपत्तिजनक होते हैं। लेकिन इसके बाद भी उन्हें कानूनी संरक्षण मिलने के कारण उनके ऊपर कानूनी कार्रवाई कर पाना पीड़ित पक्ष के लिये संभव नहीं होता है। जिसके कारण वह व्यक्तिगत जिम्मेदारी से बचे रहते हैं। सरकार की अनुमति भी ऐसे मामलों में नहीं मिलती है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से स्पष्ट हो गया है कि यदि मंत्री विधायक सांसद या सरकारी पदों पर बैठे हुए लोग कोई भी आपत्तिजनक बयान देते हैं। ऐसे बयानों पर उन्हें कानून के कटघरे में खड़ा करने के लिए अब सरकार की अनुमति की जरूरत नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात अपने फैसले में स्पष्ट रूप से नहीं कही है। फिर भी सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से इतना तय हो गया है कि हर नागरिक को बोलने की आजादी है। उसके लिए वह स्वयं व्यक्तिगत रुप से जिम्मेदार है। संविधान पीठ में न्यायमूर्ति बी आर गवई न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना शामिल थे। इन सभी न्यायमूर्ति ने एक मतेन बोलने की आजादी पर पाबंदी लगाने से स्पष्ट रूप से इनकार किया है। जो भी व्यक्ति जो बोलता है उसके लिए उसे ही जिम्मेदार बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से संवैधा निक एवं सरकारी पदों पर बैठे लोग अपनी वाणी आरोप-प्रत्यारोप इत्या दि पर अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी को ध्यान में रखकर बोलेंगे तो सभी मर्यादा में बने रहेंगे। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से एक-दूसरे के खिलाफ अनर्गल बयान देकर समाज में जो विद्वेश फैला रहा है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद सरकारी पदों पर बैठे लोग अपनी जिम्मेदारी को समझेंगे यह आशा की जा सकती है।

अमेजन ने पुष्टि की वह 18 हजार कर्मचारियों की छंटनी कर रहा

सैन फ्रांसिस्को । अमेजन ने पुष्टि की कि वह करीब 18 हजार कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है। कंपनी के सीईओ ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि 2023 की शुरुआत में और अधिक कटौती होगी। जेसी ने कहा हम आम तौर पर इन परिणामों के बारे में संवाद करने के लिए प्रतीक्षा करते हैं जब तक कि हम उन लोगों के साथ बात नहीं कर सकते जो सीधे प्रभावित होते हैं। हालांकि हमारे एक साथी ने बाहरी रूप से इस जानकारी को लीक किया था हमने फैसला किया कि इस समाचार को पहले साझा करना बेहतर होगा ताकि आप विवरण सीधे सुन सकें। उन्होंने कहा हम 18 जनवरी से प्रभावित कर्मचारियों (या जहां यूरोप में लागू हो कर्मचारी प्रतिनिधि निकायों के साथ) के साथ संवाद करने का इरादा रखते हैं। नवंबर में रिपोर्ट्स सामने आईं थी कि अमेजन अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 10 हजार की कटौती करने का लक्ष्य बना रहा है। सितंबर 2022 में कंपनी ने कहा कि उसके पास लगभग 1.5 मिलियन कर्मचारी हैं। अमेजन ने कहा था कि वह अपने हार्डवेयर और सेवा प्रभाग में कुछ टीमों और कार्यक्रमों को समेकित कर रहा है। इसके पहले मेटा ने पिछले साल घोषणा की थी कि वह लगभग 11 हजार कर्मचारियों की छंटनी कर रही है जबकि चिप निर्माता इंटेल ने घोषणा की कि वे पूरे वर्ष कटौती करने की योजना बना रहे हैं। गूगल भी 2023 की शुरुआत में बड़ी संख्या में कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रहा है।

अमेरिकी शीर्ष ड्रोन निर्माता कंपनी ने भारतीय कंपनी भारत फोर्ज के साथ साझेदारी की

भारत में अत्याधुनिक ड्रोन के निर्माण

वाशिंगटन । अमेरिकी शीर्ष ड्रोन निर्माता कंपनी जनरल एटॉमिक्स ने भारत में मानवरहित विमानों के लैंडिंग उपकरणों और कलपुर्जों के निर्माण के लिए देश की प्रमुख कंपनी के साथ साझेदारी का ऐलान किया है। इस कदम से भारत में अत्याधुनिक ड्रोन के निर्माण के लिए एक विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में मदद मिलने की उम्मीद जगी है। जनरल एटॉमिक्स की एक अनुषंगी जनरल एटॉमिक्स एयरोनॉटिकल सिस्टम (जीए-एएसआई) ने कहा कि भारत फोर्ज लिमिटेड के साथ उसकी साझेदारी दोनों कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण क्षमता निर्माण में सहायक होगी और इससे भारत में मानवरहित विमान उद्योग को गति मिलेगी। जनरल एटॉमिक्स ग्लोबल कॉरपोरेशन के मुख्य कार्यकारी विवेक लाल ने कहा जीए-एएसआई मानवरहित विमानों के कलपुर्जों के निर्माण की दिशा में भारत फोर्ज के साथ काम करने को लेकर उत्साहित है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि उच्च-प्रदर्शन वाले महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला के निर्माण में पांच दशकों से अधिक के अनुभव के साथ भारत फोर्ज उत्पादों की अवधारणा डिजाइनिंग इंजीनियरिंग निर्माण परीक्षण और सत्यापन तक में पूर्ण-सेवा प्रदान करने की क्षमता रखता है। भारत फोर्ज लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बाबा कल्याणी ने कहा कि एयरोस्पेस एक 'गहन प्रौद्योगिकी' क्षेत्र है जो उत्पाद की शुद्धता विश्वसनीयता और उसके दोषरहित होने पर निर्भर करता है। हमारी एयरोस्पेस विकास रणनीति के हिस्से के रूप में जीए-एएसआई के साथ हमारी साझेदारी जनरल एटॉमिक्स के साथ मिलकर भारत को आत्मनिर्भर बनाने की हमारी कोशिशों को आगे बढ़ाने का प्रमाण है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 304 अंक निफ्टी 51 अंक गिरा

मुम्बई। मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही एनबीएफसी बैंकिंग और आईटी शेयरों में बिकवाली हावी होने से आई है। विदेश निवेशकों के निकासी से भी बाजार पर दबाव आया है। वहीं उपभोक्ता क्षेत्र वाहन और दवा कंपनियों के शेयरों में आज लिवाली (खरीददारी) रही जिससे गिरावट पर कुछ हद तक अंकुश लगा रहा। पीएसई धातु शेयरों में भी खरीदारी देखी गयी। दिन भर के उतर-चढ़ाव के बाद अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 304 अंक टूटकर 60353 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 51 फिसलकर 17992 पर बंद हुआ। वहीं गत कारोबारी सत्र में बीएसई सेंसेक्स 636.75 अंक करीब 1.04 फीसदी नीचे आकर 60657.45 अंक पर बंद हुआ था। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 189.60 अंक तकरीबन 1.04 फीसदी नीचे आकर 18042.95 अंक पर बंद हुआ था। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत हुई। बाजार में यह बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से आई है जबकि गत दिवस बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। निवेशकों का रुख सकारात्मक रहा जिससे भी बाजार ऊपर आया। इससे पहले आज सुबह बाजार 191 अंक बढ़कर 60848 पर खुला। वहीं निफ्टी 59 अंकों की तेजी के साथ ही 18102 पर खुला। निवेशकों ने आज सुबह से ही खरीदारी पर बल दिया जिससे बाजार का रुख सकारात्मक रहा। सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त कायम है। सुबह सेंसेक्स 160 अंकों की बढ़त के साथ 60817 पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 57 अंक ऊपर आकर 18100 पर था। बाजार से विदेशी निवेशकों की पूंजी निकासी जारी है। वहीं गत कारोबारी सत्र में भी विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार से 2620.89 करोड़ रुपये के शेयर निकाले थे हालांकि घरेलू संस्थागत निवेशकों की भारी खरीददारी से बाजार में बढ़त का माहौल बना रहा।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अहमदाबाद स्थित परियोजना में 870 आवास 435 करोड़ रुपये में बेचे

नयी दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने गुजरात के अहमदाबाद स्थित एक आवासीय परियोजना में 870 आवासीय इकाइयां 435 करोड़ रुपये में बेची हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने शेयर बाजारों को सूचित किया कि गोदरेज गार्डन सिटी की परियोजना 'सलेस्ट' के नए चरण की शुरुआत में उसने दस लाख वर्गफुट से अधिक का क्षेत्र बेचा है। कंपनी ने कहा, ''कंपनी ने अक्टूबर 2022 में शुरू की गई सलेस्ट परियोजना में 870 आवास बेचे हैं जिनका बुकिंग मूल्य करीब 435 करोड़ रुपये है।'' यह परियोजना करीब 2.3 एकड़ क्षेत्र में फैली है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेश एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी गौरव पांडे ने कहा, ''ग्राहकों का भरोसा प्रतिष्ठित डेवलपर के टिकाऊ एवं एकीकृत विकास की बढ़ती मांग को दिखाता है।''

भारतीय स्टार्टअप 100 मिलियन डॉलर तक पहुंचने में पांच साल का समय ले रहे

पहले यूनिकॉर्न बनने में करीब 18 साल का समय लगाता था

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टार्टअप अब राजस्व में शून्य से 100 मिलियन डॉलर तक पहुंचने में लगभग पांच साल का समय ले रहे हैं। गुरुवार को आई एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। पिछले एक दशक में पारिस्थितिकी तंत्र के परिपक्व होने के साथ 100 मिलियन डॉलर के निशान तक पहुंचने में लगने वाला समय काफी कम हो गया है। आंकड़ों के मुताबिक 2000 में 100 मिलियन डॉलर के राजस्व तक पहुंचने में 18 साल लग गए थे जो अब पांच साल हो गए हैं। भारत में लगभग 100 यूनिकॉर्न और 170 सूनीकॉर्न हैं। इन 270 चमकते सितारों में से फिनटेक ईकॉमर्स और लॉजिस्टिक्स में 40 से अधिक स्टार्टअप ने वित्त वर्ष 2022 तक 100 मिलियन डॉलर राजस्व को पा लिया है। रिपोर्ट में कहा गया है इन स्टार्टअप्स को इस पैमाने तक पहुंचने में 5 से 12 साल का समय लगा है। वीसी ने स्टार्टअप इकोसिस्टम में पिछले 15 सालों (कैलेंडर वर्ष 2008 से कैलेंडर वर्ष 2022) में लगभग 143 अरब डॉलर का निवेश किया है जिसका वर्तमान में मूल्य 804 अरब डॉलर है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि मौजूदा मूल्यांकन पर यह वीसी के लिए उनके निवेश पर लगभग 4.5 गुना रिटर्न देता है। टैम विस्तार से अनुकूलित समाधान उत्पाद बाजार में फिट लाभप्रदता और परिचालन दक्षता में सुधार के लिए हमारे उद्योग विशेषज्ञ स्टार्टअप्स को ऊंचाइयों तक ले जाने और उनकी चुनौतियों को हल करने में मदद करते हैं। भारत में लगभग 12000 स्टार्टअप हैं जिनका राजस्व वर्गीकरण इमर्जिंग (10 मिलियन डॉलर से कम) ग्रोथ स्टेज (10 डॉलर 100 मिलियन) से लेकर बड़े (100 मिलियन डॉलर से 1 अरब डॉलर से अधिक) तक है। इनमें से 95 प्रतिशत उभरती हुई श्रेणी के हैं 3-4 प्रतिशत विकास के चरण में हैं और 0.5 प्रतिशत से कम कंपनियां बड़ी हैं।

भारत में डिजिटल पर किया जा रहा अद्भुत काम ऐसा दुनिया में कहीं और नहीं हो रहा : नडेला

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दुनिया की तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी माइक्रोसॉफ्ट भारत में बड़ा दांव खेल रही है। कंपनी के भारतीय मूल के सीईओ सत्या नडेला ने इसकी वजह बताई है। उनका कहना है कि भारत में डिजिटल सेक्टर में जबरदस्त काम हो रहा है। दुनिया के किसी और देश में डिजिटल को लेकर इस तरह का उत्साह नहीं है। उन्होंने कहा कि अब तक कंपनी ने दूसरे देशों में अपने प्रॉडक्ट्स बनाए और भारत में बेचे। अब यह स्थिति बदल चुकी है। अब कंपनी भारत में ग्लोबल प्रॉडक्ट्स बनाती है। यही वजह है कि अमेरिका के बाहर माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बड़ा डेवलपमेंट सेंटर भारत में है। कंपनी ने भारत में चार बड़े डेटा सेंटर बनाने के लिए भारी निवेश किया है। नडेला चार दिन की यात्रा पर भारत आए हुए हैं। उन्होंने भारत की तकनीकी प्रगति की तारीफ करते हुए कहा कि देश में हर छोटी-बड़ी कंपनी डिजिटल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा भारत में स्टार्टअप और यूनिकॉर्न ही नहीं बल्कि छोटी कंपनियां सरकारी कंपनियां और मल्टीनेशनल कंपनियां भी तकनीक का व्यापक इस्तेमाल कर रही हैं।

इस तरह वे अपने यूजर्स और कस्टमर्स के लिए डिजिटल का इस्तेमाल बढ़ा रही हैं। सत्य नडेला ने कहा कि आधार और यूपीआई जैसी योजनाओं ने आम लोगों की जिंदगी आसान बनाई है।

हैदराबाद में जन्मे 55 साल से नडेला माइक्रोसॉफ्ट के 47 साल के इतिहास में तीसरे सीईओ हैं। उन्होंने कहा भारत में डिजिटल पर जो काम है वह अद्भुत है। दुनिया में और कहीं इस तरह के प्रयास नहीं हो रहे हैं। जहां तक ह्यूमन कैपिटल की सवाल है तो भारत बेहतर स्थिति में है। एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी भविष्य की टेकनीक को बनाने में इसकी अहम भूमिका होगी। भारत में लोगों को स्किल बनाने का रेट ग्लोबल रेट की तुलना में दोगुनी है। यही वजह है कि कंपनी भारत में अपना निवेश बढ़ा रही है। एपल और सऊदी अरामको के बाद माइक्रोसॉफ्ट दुनिया की तीसरी सबसे मूल्यवान कंपनी है। इसका मार्केट कैप 1.79 ट्रिलियन डॉलर है। उन्होंने कहा भारत के प्रति उनके विश्वास के कई कारण हैं। मैं भाषिनी पर काम कर रहे कई लोगों से मिला। उन्होंने मुझे बताया कि वे स्पीच को टेक्स्ट और फिर टेक्स्ट को स्पीच में किस तरह बदल रहे हैं। देश में छोटी-छोटी कंपनियों डिजिटल का इस्तेमाल कर रही हैं। देश की सभी बड़ी कंपनियां टेक्नोलॉजी बनाने पर काम कर रही हैं। स्टार्टअप कंपनियां ऐसा काम कर रही हैं जो पहले कभी नहीं हुआ। जीडीपी ग्रोथ परसेंटेज में टेक्नोलॉजी की हिस्सेदारी बहुत ज्यादा है।

भारत में माइक्रोसॉफ्ट के निवेश के बारे में नडेला ने कहा कि वह इसे तीन तरीकों से देखते हैं। पहला तरीका यह है कि क्या हम भारत में प्रॉडक्ट बना रहे हैं या नहीं। पहले हम विदेशों में प्रॉडक्ट्स बनाते थे और यहां बेचते थे। लेकिन अब हम भारत में दुनिया के लिए प्रॉडक्ट बना रहे हैं। हमने यहां चार बड़े डेटा सेंटर बनाने के लिए भारी निवेश किया है।

साथ ही हमने रिलायंस जियो के लिए डेटा सेंटर बनाने के वास्ते उनके साथ हाथ मिलाया है। इसके साथ ही कंपनी गौतम अडानी और टाटा ग्रुप के साथ भी मिलकर काम कर रही है। माइक्रोसॉफ्ट ने भारतीय स्टार्टअप लैम्बडाटेस्ट और इनमोबी के साथ भी पार्टनरशिप की है।

कैंपा कोला के बाद सोस्यो हजूरी बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड में 50 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी रिलायंस

मुंबई ।(एजेंसी)

मुकेश अंबानी की अगुआई वाली रिलायंस एफएमसीजी सेक्टर में अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी हुई है। कैंपा कोला के बाद रिलायंस ग्रुप एक और सॉफ्ट ड्रिंक कंपनी में हिस्सेदारी खरीद रही है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) सोस्यो हजूरी बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड (एसएचबीपीएल) में 50 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। यह गुजरात की कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स (सीडीएस) और जूस बनाने वाली कंपनी है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड रिलायंस इंडस्ट्रीज की एफएमसीजी शाखा है। यह देश की प्रमुख रिटेल कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर लिमिटेड (आरआरवीएल) की सब्सिडियरी है। आरआरवीएल ने कहा की यह अधिग्रहण आरसीपीएल को अपने बेवरेजेज पोर्टफोलियो को बढ़ाने में सक्षम बनाएगा। बता दें कि आरसीपीएल लोटस चॉकलेट में भी नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर रही है। सोस्यो हजूरी बेवरेजेज 100 साल पुरानी पेय प्रोडक्ट निर्माता कंपनी है। कंपनी के मौजूदा प्रमोटर्स हजूरी परिवार के पास एसएचबीपीएल की शेष हिस्सेदारी बनी रहेगी। बयान में कहा गया इस जॉइंट वेंचर के साथ रिलायंस

बेवरेजेज के सेगमेंट में अपने पोर्टफोलियो को और मजबूत करेगा। यह पहले से ही जाने-माने ब्रैंड कैम्पा का अधिग्रहण कर चुका है। इसके अलावा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और उपभोक्ताओं के लिए अद्वितीय वैल्यू ऑफर डेवलप करने के फॉर्मूलेशन में सोस्यो की एक्सपर्टीज का लाभ उठाया जा सकता है।' सोस्यो हजूरी की स्थापना साल 1923 में अब्बास अब्दुलरहीम हजूरी ने की थी। यह सोस्यो ब्रैंड के तहत अपने बेवरेजेज बिजनस का संचालन करती है। यह कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स और जूस के बिजनस में देश की प्रमुख कंपनियों में से एक है। इस कंपनी के बेवरेजेज पोर्टफोलियो में कई ब्रैंड्स हैं। इनमें सोस्यो कश्मीरा लेमी गिनलिम रनर ओपनर हजूरी सोडा के साथ-साथ करीब 100 फ्लेवर शामिल हैं।

मंदी की आशंका, मुद्रास्फीति से मार्च तिमाही में प्रभावित होगी भर्ती की गतिविधियां: सर्वेक्षण

नयी दिल्ली,

भारत में कॉरपोरेट कंपनियां 2022- 23 की मार्च तिमाही में भर्तियों को लेकर सतर्क रूख अपना सकती हैं। बृहस्पतिवार को जारी एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि मंदी की आशंका और मुद्रास्फीति के स्तर को लेकर चिंता बढ़ी है। यह सर्वे लगभग 3,030 सार्वजनिक और निजी नियोक्ताओं के बीच किया गया। मैनपावर ग्रुप के रोजगार परिदृश्य सर्वे के अनुसार, सालाना और तिमाही आधार पर नियुक्ति के इरादे मार्च तिमाही में घटेंगे। इस दौरान शुद्ध रोजगार परिदृश्य केवल 32 प्रतिशत रहने की संभावना है। सर्वेक्षण के मुताबिक इस साल जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान 48 प्रतिशत कंपनियां नियुक्ति स्तर में वृद्धि कर सकती हैं, 16 प्रतिशत ने कम नियुक्तियां करने का इरादा जताया जबकि 34 प्रतिशत ने यथास्थिति बने रहने की बात कही। मैनपावर ग्रुप इंडिया के प्रबंध निदेशक संदीप गुलाटी ने कहा, ''नियोक्ता मंदी की आशंका और वैश्विक स्तर पर गहराती नरमी के चलते सतर्क हैं। पिछली तिमाही के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उथल-पुथल की वजह भी यही थी।' मैनपॉवर ग्रुप के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी जोनास प्राइसिंग ने कहा, ''इसमें कोई शक नहीं कि अर्थशास्त्रियों ने जिन प्रतिकूल परिस्थितियों का अनुमान जताया था उन्होंने रोजगार बाजारों को प्रभावित करना शुरू कर दिया है।''

स्कोडा ऑटो इंडिया की बिक्री 48 प्रतिशत बढी

-कंपनी ने की 4788 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली ।

स्कोडा ऑटो इंडिया की बिक्री दिसंबर महीने में 48 प्रतिशत बढ़कर 4788 यूनिट्स पर पहुंच गई। कंपनी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि उसने पिछले साल इसी महीने में 3234 यूनिट्स बेची थीं। कंपनी ने वर्ष 2022 के पूरे साल में कुल 53721 व्हीकल्स की बिक्री की। यह वर्ष 2021 में हुई 23858 यूनिट्स की बिक्री की तुलना में दोगुनी से अधिक उछाल को दर्शाता है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक पेट्र सॉल्क ने कहा 'हमने पिछले साल अपने वार्षिक राजस्व को दोगुना से अधिक कर दिया। बिक्री ने मासिक और तिमाही बिक्री के सारे आंकड़ों को भी पीछे छोड़ दिया।' स्कोडा ने कहा कि इस दौरान कंपनी ने देश भर में बिक्री और सर्विस केंद्रों की संख्या को बढ़ाकर 240 के करीब पहुंचा दिया है। कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) की थोक बिक्री दिसंबर 2022 में 3.8 प्रतिशत गिरकर 10421 यूनिट्स रही।

टीकेएम ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि कंपनी ने दिसंबर 2021 में डीलरों को 10834 यूनिट्स भेजी थीं। इसके साथ ही कैलेंडर इयर 2022 में कंपनी ने कुल 160357 यूनिट्स बेची हैं। यह संख्या कैलेंडर वर्ष 2021 में बिकी 130768 इकाइयों से 23 प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष के दौरान हुई बिक्री पिछले एक दशक में कंपनी की सर्वाधिक थोक बिक्री रही। कंपनी ने कहा कि इससे पहले इसने 2012 में कुल 172241 इकाइयों के साथ उच्च बिक्री की थी। टीकेएम के एसोसिएट उपाध्यक्ष अतुल सूद ने कहा 'पिछला साल अर्बन क्रूजर हाइराइडर और इनोवा हाइक्रॉस जैसे नए उत्पादों को बाजार में उतारने के साथ बिक्री प्रदर्शन के मामले में भी कंपनी के लिए 'जबरदस्त' रहा है।'

टाटा मोटर्स की दिसंबर 2022 में कुल घरेलू बिक्री दस फीसदी की वृद्धि के साथ 72997 यूनिट्स रही है जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में कंपनी ने 66307 वाहन बेचे थे। टाटा मोटर्स ने रविवार को एक बयान में कहा कि घरेलू बाजार में पैसेंजर व्हीकल की बिक्री पिछले साल इसी महीने में 40043 यूनिट्स रही है जो दिसंबर 2021 की 35299 यूनिट्स की तुलना में 13.4 फीसदी अधिक है। कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने दिसंबर के महीने में 139347 इकाइयों की थोक बिक्री की जो एक साल पहले की तुलना में 9 प्रतिशत कम है।

मारुति सुजुकी अर्टिगा की सेल अभी भी ज्यादा

एमपीवी की शुरुआती कीमत 8.35 लाख रुपये

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी अर्टिगा की सेल अभी भी ज्यादा होती है। कंपनी की इस एमपीवी की शुरुआती कीमत 8.35 लाख रुपये है। रतीय बाजार में 7 सीटर कार सेगमेंट में अभी इस कार की भारी डिमांड है। अगर इन दिनों अपने कोई 7 सीटर फैमिली कार खरीदने की सोच रहे हैं तो यहां हम आपको अर्टिगा की कीमत के साथ ही सभी स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स के बारे में जानकारी देंगे।

मारुति अर्टिगा के सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो इसमें एंट्री लॉक ब्रेकिंग सिस्टम ब्रेक असिस्ट सेंट्रल लॉकिंग पावर डोर चाइल्ड सेफ्टी लॉक एंट्री थेफ्ट अलार्म रियर सीट बेल्ट वॉर्निंग अडजस्टेबल सीटर क्रैश सेंसर इलेक्ट्रोनिक स्टैबिलिटी कंट्रोल 4 एयरबैग्स डे एंड नाइट रियर व्यू पैसेंजर साइड रियर व्यू मिरर ब्रेकडाउन नोटिफिकेशन स्टोलेन वीइकल नोटिफिकेशन एंड ट्रैकिंग ब्रेक इमरजेंसी रीजेनरेशन टो अवे अलर्ट एंड ट्रैकिंग एरिया गाइलेंस अराउंड डेस्टिनेशन वीइकल लोकेशन शेयरिंग रियर कैमरा स्पीड अलर्ट और हिल असिस्ट समेत कई फीचर्स मौजूद हैं जो कार को बेहतर सेफ्टी देते हैं। मारुति सुजुकी अर्टिगा को भारत में एलएक्सआई वीएक्सआई झेडएक्सआई और झेडएक्सआई+ जैसे ट्रिम लेवल के कुल 9 वेरिएंट्स में पेश किया गया है और इनका ऑन-रोड प्राइस 9.37 लाख रुपये से लेकर 14.80 लाख रुपये तक है।

नई अर्टिगा के दो सीएनजी वेरिएंट्स भी खरीदे जा सकते हैं जिनकी ऑन-रोड कीमत क्रमशः 12.10 लाख रुपये और 13.36 लाख रुपये है।

कंगाल हुए एलन मस्क कई कार्यालयों का किराया नहीं चुकाने पर दर्ज किए गए उनके विरुद्ध केस

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दुनिया के दूसरे नंबर के रईस एलन मस्क के ट्विटर खरीदने के बाद से बुरे दिन शुरू हो गए हैं। ट्विटर टेस्ला कार स्पेसएक्स जैसी कंपनियों के मालिक एलन मस्क बुरे दौर से गुजर रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि उनके पास ट्विटर ऑफिस का किराया भरने तक के पैसे नहीं है। ट्विटर ऑफिस का किराया नहीं भरने के कारण उन्हें नोटिस भेजे जा रहे हैं।

कुछ हफ्ते पहले की बात है तब एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर शख्स हुआ करते थे लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि वह ट्विटर के ऑफिस का किराया तक नहीं चुका पा रहे हैं। अमीरों की लिस्ट में तो वह फिसल ही गए हैं। अब खबर आ रही है कि वह ऑफिस का किराया तक नहीं चुका पा रहे हैं। ट्विटर के ऑफिस के बकाया को लेकर उन्हें नोटिस भेजा गया है। अमेरिका के सैन फ्रैंसिस्को में ट्विटर दफ्तर के मालिक ने एलन मस्क को नोटिस भेजा है। उन्हें डिफॉल्टर घोषित करके कंपनी पर केस दर्ज कर लिया गया है। सैन फ्रैंसिस्को स्थित ट्विटर के ऑफिस पर बड़ा किराया बाकी है। मस्क को 136250 डॉलर यानी करीब 1.13 करोड़ रुपए किराया देना है। कई बार नोटिस भेजे जाने के बाद भी जब रेंट का पेमेंट नहीं किया गया तो कैलिफोर्निया एलएलसी में रहने वाले एक ऑफिस के मकान मालिक कोलंबिया रीट ने केस दर्ज करा दिया है। उल्लेखनीय है कि ट्विटर का ऑफिस हार्टफोल्ट इमारत की 30वें मंजिल पर है। ट्विटर न केवल इस दफ्तर का बल्कि अन्य कई ऑफिसों का भी किराया नहीं भर पाई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मस्क न केवल ट्विटर दफ्तर का बल्कि विमान का किराया भी नहीं चुका पाए हैं। एलन मस्क की कंपनी ट्विटर ने दो चार्टर प्लेन प्राइवेट जेट सर्विस ग्रुप एलएलसी से किराए पर लिए हैं। उन्होंने इसका भी किराया अब तक नहीं चुकाया है। अब एलएलसी कंपनी भी ट्विटर पर केस करने जा रही है। हाल के दिनों में लगातार संपत्ति गंवाने वाले एलन मस्क के नाम एक अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। वह 200 अरब डॉलर की संपत्ति गंवाने वाले पहले शख्स बन गए हैं। जिस रफ्तार से उन्होंने संपत्ति कमाई है उसी रफ्तार से गंवा भी दी है।

वर्तमान में उनके पास मात्र 137 अरब डॉलर की संपत्ति रह गई है। जबकि एक साल पहले उनकी संपत्ति 340 अरब डॉलर की सीमा को पार कर गई थी।

देश में कई जगहों पर पेट्रोल डीजल की कीमतें गिरीं

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अंतराष्ट्रीय बाजारों में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में गिरावट जारी है। इस कारण ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर से नीचे आ गया। इससे देश के कई शहरों में तेल की कीमतें गिरीं हैं। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम गिरे हैं जबकि दिल्ली-मुंबई जैसे चारों महानगरों में तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गौतमबुद्ध नगर में पेट्रोल 41 पैसे सस्ता होकर 96.59 रुपये लीटर हो गया है जबकि डीजल 38 पैसे नीचे आकर 89.76 रुपये लीटर पहुंच गया। इसके अलावा. गाजियाबाद में भी पेट्रोल 32 पैसे टूटकर 96.26 रुपये और डीजल 30 पैसे फिसलकर 89.45 रुपये लीटर मिल रहा है पर लखनऊ में पेट्रोल 24 पैसे महंगा होकर 96.68 रुपये पहुंच गया। इसके साथ ही डीजल 23 पैसे बढ़कर 89.87 रुपये लीटर पहुंच गया। पटना में भी आज पेट्रोल 35 पैसे ऊपर आकर 107.59 रुपये लीटर जबकि डीजल 32 पैसे बढ़कर 96.36 रुपये लीटर मिल रहा है। वहीं कच्चे तेल की बात करें तो पिछले 24 घंटे के दौरान इसकी कीमतों में गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड का भाव 3 डॉलर से नीचे आकर 78.35 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है।

डब्ल्यूटीआई का भाव 4 डॉलर फिसलकर 74.40 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्मिथ ने 30 वां शतक लगाकर ब्रैडमैन को पीछे छोड़ा

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन शतक लगाने के साथ ही महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन के 29 शतकों के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ दिया। स्मिथ के नाम अब टेस्ट क्रिकेट में 30 शतक हो गए हैं। इसके साथ ही स्मिथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। जबकि ब्रैडमैन ने अपने करियर में 29 शतक लगाए थे। इसी के साथ स्मिथ ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाली तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। सबसे अधिक शतक लगाने वाले अन्य खिलाड़ी हैं पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और स्टीव वॉ। पोंटिंग ने 41 जबकि वॉ ने 32 शतक लगाये हैं। वहीं टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड भारत के सचिन तेंदुलकर के नाम है। मास्टर ब्लास्टर के नाम से लोकप्रिय रहे सचिन के नाम 51 शतक हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस 45 शतकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

बेट्स, डीन, गार्डनर आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए नामांकित

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड), चार्ली डीन (इंग्लैंड) और एश्ले गार्डनर (आस्ट्रेलिया) की हरफनमौला तिकड़ी को दिसंबर 2022 के लिए आईसीसी महिला प्लेयर आफ द मंथ अवार्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। सूजी बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में वनडे और टी20 दोनों सीरीज में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी थीं। उन्होंने शानदार प्रदर्शन पहले 50 ओवर के मैच में नाबाद 93 रन बनाकर किया। दोनों श्रृंखलाओं में 223 रनों के साथ, न्यूजीलैंड की सलामी बल्लेबाज का आईसीसी महिला प्लेयर आफ द मंथ का पहला नामांकन है। इंग्लैंड ने पिछले महीने के वनडे और टी20 मुकाबलों में वेस्ट इंडीज पर परिणामों की एक प्रमुख श्रृंखला का आनंद लिया और चार्ली गेंद के साथ लगातार खतरा बनीं रही थीं, क्योंकि उन्होंने दिसंबर में दोनों प्रारूपों में 18 विकेट लिए। दोनों श्रृंखलाओं में अग्रणी विकेट लेने वाली चार्ली ने दो अलग-अलग मौकों पर चार विकेट लिए। अपने प्रभावशाली स्ट्राइक रेट के साथ-साथ, उन्होंने एक आश्चर्यजनक इकॉनमी रेट भी हासिल किया। एश्ले दिसंबर में आलराउंडरों के लिए वनडे महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गईं, जब बल्ले और गेंद से उनके शानदार प्रदर्शन ने आस्ट्रेलिया को भारत में 4-1 से टी20 श्रृंखला जीत के लिए प्रेरित किया। प्लेयर आफ द मंथ अवार्ड के लिए अपने पहले नामांकन का जश्न मनाते हुए, एश्ले के महीने का समापन 57.50 के औसत से 115 रन और 18.28 पर सात विकेट से हुआ। दोनों श्रृंखलाओं में अग्रणी विकेट लेने वाली चार्ली ने दो अलग-अलग मौकों पर चार विकेट लिए। अपने प्रभावशाली स्ट्राइक रेट के साथ-साथ, उन्होंने एक आश्चर्यजनक इकॉनमी रेट भी हासिल किया।

एशिया कप के लिए भारत-पाक को मिली एक ही ग्रुप में जगह

मुम्बई ।(एजेंसी)।

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने इस साल पाकिस्तान में होने वाले एशिया कप में भारत और पाकिस्तान की टीमों को एक ही ग्रुप में रखा है। इस दौरान एसीसी अध्यक्ष जय शाह ने साल 2023 और 2024 में होने वाले टूर्नामेंट की एक सूची भी जारी की है। जय शाह के अनुसार सितंबर में एशिया कप एकदिवसीय प्रारूम में खेला जाएगा। इसमें भारत और पाक की टीमें एक ही ग्रुप में रहेंगी। वहीं गत चैंपियन श्रीलंका अफगानिस्तान और बांग्लादेश को एक ग्रुप में रखा गया है। जय शाह ने ट्वीट करते हुए लिखा 2023 और 2024 के लिए एसीसी का क्रिकेट कैलेंडर पेश कर रहा हूं। यह इस खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के हमारे अद्वितीय प्रयासों की एक झलक है। उम्मीद है कि यह क्रिकेट के लिए एक अच्छा सत्र साबित होगा क्योंकि इसमें सभी टीमें अपनी ओर से शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगी। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि वह एशिया कप के लिए अपनी टीम को पाक नहीं भेजेगा। बीसीसीआई ने इस टूर्नामेंट को किसी अन्य जगह पर आयोजित करने कहा है। ऐसे में एशिया कप का आयोजन कहां होगा यह अभी तय नहीं है क्योंकि टीम इंडिया के बिना खेल का आकर्षण नहीं रहेगा।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारत की 22 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा

(एजेंसी)।

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को केपटाउन में 16 जनवरी, 2023 से शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा की जिसमें अनुभवी स्टार और पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी में वापसी की। बेल्जियम के खिलाफ एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग 2021/22 मैच के बाद पहली बार अनुभवी फारवर्ड टीम में वापस आएंगी। वैष्णवी विठ्ठल फाल्के, जिन्होंने मई में यूनिफर अंडर23 फाइव नेशंस टूर्नामेंट 2022 में भारतीय महिला जूनियर टीम का नेतृत्व किया था, उन्हें सीनियर टीम के लिए पहला मौका मिला है। दौरे पर, भारत ने हाल ही में वालेंसिया में एफआईएच महिला राष्ट्र कप 2022 का उद्घाटन संस्करण जीता था। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार मैच और नीदरलैंड के खिलाफ तीन मैच 16 से 28 जनवरी, 2023 के बीच खेलेगा। गोलकीपर सविता टीम की कप्तान हैं जबकि अनुभवी खिलाड़ी नवनीत कौर उपकप्तान हैं। दौरे पर बोलते हुए, भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच जेनेक शॉपमैन ने कहा,दक्षिण अफ्रीका दौरा हमारे लिए राष्ट्र कप के अपने प्रदर्शन को आगे बढ़ाने का एक शानदार अवसर है। इस दौरे पर दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड दोनों के साथ खेलना हमें वह सब कुछ प्रदान करता है जो हमें एशियाई खेलों के बारे में सीखने में मदद करेगा। गोलकीपर सविता टीम की कप्तान हैं जबकि अनुभवी खिलाड़ी नवनीत कौर उपकप्तान हैं।

ऋषभ के लिगामेंट की सर्जरी होगी लंबे समय तक खेल से दूर रहेंगे : बीसीसीआई

मुम्बई ।(एजेंसी)।

कार दुर्घटना में घायल टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार ऋषभ की चोट ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा जैसी ही पायी गयी। इसी लिए उन्हें अचानक इलाज के लिए देहरादून से मुंबई लाया गया है।

बीसीसीआई ने कहा है कि ऋषभ के 'लिगामेंट की सर्जरी होनी है जिसके लिए वह पूरी तरह से तैयार हैं हालांकि इस कारण वह उन्हें लंबे समय के लिए मैदान से बाहर हो जाएंगे। बीसीसीआई सेक्रटरी जय शाह ने बताया कि ऋषभ को देहरादून के एक अस्पताल से एयर एंबुलेंस में मुंबई लाया गया है। जहां घुटने और टखने के लिगामेंट की चोट के लिए उनका इलाज होगा। जांच में यह भी सामने आया है किउनका लिगामेंट भी ठीक उसी तरह से फटा है जैसा कि रविंद्र जडेजा का था। जडेजा को एशिया कप के दौरान लिगामेंट इंजरी हुई थी।

जडेजा की सर्जरी पिछले वर्ष सितंबर में हुई थी। अब वह क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। अगर पंत के लिए भी ऐसा माना जाए तो वह कम से कम 6 महीने के लिए तो क्रिकेट से बाहर हो जाएंगे। इस बारे में बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि डॉक्टरों का कहना है कि जडेजा की तरह ही पंत का लिगामेंट फटा है। ऐसे में वह अनिश्चित काल के लिए क्रिकेट से बाहर रह सकते हैं। शाह के मुताबिक 'ऋषभ को कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल और चिकित्सा अनुसंधान संस्थान में भर्ती कराया जाएगा और अस्पताल में सेंटर फॉर स्पोर्ट्स मेडिसिन के प्रमुख और ऑर्थोस्कोपी एंड शोल्डर सर्विस के निदेशक डॉ. दिनशॉ परदीवाला की सीधी निगरानी में उनका इलाज होगा।' उन्होंने कहा 'ऋषभ की लिगामेंट की चोट के लिए सर्जरी होगी और उन्हें बाद की प्रक्रियाओं से भी गुजरना होगा। उनके उबरने और रिहैब के दौरान बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनका ध्यान रखेगी।'

संक्षिप्त समाचार

कैमरुन सर्जरी के कारण भारत के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर रहेंगे

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरुन ग्रीन नागपुर में 9 फरवरी से भारतीय टीम के खिलाफ शुरू हो रही टेस्ट सीरीज के पहले मैच में नहीं खेलेंगे। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होने के कारण बेहद अहम मानी जा रही है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी चैंपियनशिप में नंबर-1 पर है जबकि भारतीय टीम दूसरे नंबर पर है। ग्रीन को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान अंगुली में चोट लग गयी थी। जांच में उनकी उंगली में फ्रैक्चर पाया गया। इस मैच में दर्द के बाद भी उन्होंने दूसरी पारी में नाबाद 51 रन बनाए थे। ऐसे में अब उनकी उंगली की सर्जरी की जाएगी। वहीं काम के बोझ के कारण उनके आईपीएल 2023 में गेंदबाजी करने को लेकर भी सवाल उठ खड़े हुए हैं जिसपर ग्रीन ने अपना जवाब दिया है। युवा ऑलराउंडर ने कहा कि आईपीएल में उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी को लेकर जो बात सामने आ रही है वह सही नहीं है। मैं पूरी तरह से खेलने के लिए तैयार हूं। मुझे नहीं पता कि इस तरह की बातें कहां से निकलकर आई। आईपीएल के नए सत्र की शुरुआत 25 मार्च से हो सकती है। वहीं भारत और ऑस्ट्रेलिया सीरीज का पहला मुकाबला नागपुर में खेला जाना है जबकि दूसरा टेस्ट 17 फरवरी से दिल्ली में और तीसरा टेस्ट 1 मार्च से धर्मशाला में और चौथा व अंतिम टेस्ट 9 मार्च से अहमदाबाद में खेला जाएगा।

बांग्लादेश सीरीज के बाद किये अभ्यास से मिला लाभः ईशान

पुणे । श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे ईशान किशन ने पहले मुकाबले में अच्छी बल्लेबाजी करने के साथ ही विकेट के पीछे भी अपनी भूमिका सही तरीके से निभाई है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के पहले टी20 मैच में चरिथ असलंका को आउट करने के लिए एक शानदार कैच भी लिया। इस दौरान वह विकेटकीपर होते हुए भी थर्ड मैन तक पहुंचे। ईशान ने उनके खेल में आये बदलाव का श्रेय हाल में की गयी कड़ी मेहनत को दिया है। ईशान ने यह भी कहा कि उन्होंने बांग्लादेश सीरीज के दौरान की गई कई गलतियों से सबक सीखा। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि जब हम बांग्लादेश में खेल रहे थे तो हमने देखा कि कुछ कैच इस कारण गिरे क्योंकि हम सही से कॉल सही से नहीं कर पाये थे। इसी कारण मैंने सोचा कि जब मैं एक कैच के लिए जा रहा हूं तो मैं अपनी ओर से पूरी कोशिश करूंगा कि वह ले लिया जाये। मैं अपनी ओर से भ्रम पैदा नहीं करूंगा। तब भी मैं कोच के साथ चर्चा कर रहा था कि सही कॉलिंग बहुत जरुरी है। इसलिए हमने टेनिस रैकेट और सॉफ्ट बॉल के साथ इसका अभ्यास किया।

टियाफो की जीत के साथ ही अमेरिकी टीम यूनाइटेड कप टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंची

सिडनी ।(एजेंसी)।

फ्रांसिस टियाफो की ब्रिटेन के डेनियल इवांस पर 3-6 7-5 6-3 से जीत के साथ ही अमेरिकी टीम यूनाइटेड कप टेनिस के मिश्रित टीम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। अमेरिका की जेसिका पेगुला ने ब्रिटेन की हैरियट डार्ट को महिला एकल में 6-2 6-0 से हराकर अमेरिका को 2-1 की बढत दिला दी। वहीं महिला एकल के एक अन्य मुकाबले में मेडिसन कीज ने कड़े संघर्ष के बाद केटी स्वान को 2-6 6-3 6-4 से हराकर अमेरिका को 1-0 से बढ़त दिलायी हालांकि एक अन्य मैच में अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को ब्रिटेन के कैमरन नूरी के हाथों 6-4 5-7 6-4 से हार का सामना करना पड़ा जबकि मात्तेओ बेरेतिनी ने हुबर्ट हुरकाज को 6-.4 3-6 6-3 से हराकर इटली को पोलैंड पर 2-1 से बढत दिलाई। पोलैंड ने हालांकि चौथा एकल मैच जीतकर स्कोर 2-2 से बराबरी पर ला दिया। इससे पहले एक अन्य मुकाबले में विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वियातेक ने इटली की मार्तिना त्रेविसान को 6 -2 6-4 से हराया। लोरेंजो मुसेती ने डेनियल मिचलस्की को 6-1 6-1 से हराकर इटली को बढत दिलाई। वहीं यूनान और क्रोएशिया 1-1 से बराबरी पर हैं।

डोन्ना वेकिच ने देसपिना पापामिशेल को 6-2 6-0 से हराकर क्रोएशिया को बढत दिलाई पर पुरुष एकल में स्टेफानोस सिटसिपास ने बोरना कोरिच को 6-0 6-7 7-5 से हराकर स्कोर बराबरी पर ला दिया।

रोनाल्डो का अल-नासर क्लब में प्रशंसकों ने स्वागत किया

दोहा । पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो आधिकारिक तौर पर पहली बार सउदी अरब के क्लब अल-नासर क्लब की ओर से मैदान में उतरे। रोनाल्डो को अल-नासर की जर्सी में देखकर प्रशंसकों उनका स्वागत किया। इस फुटबॉलर से अल-नासर क्लब ने तकरीबन 1800 करोड़ रुपये में करार किया है। इसी के साथ ही रोनाल्डो दुनिया के सबसे अधिक भुगतान पाने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। अल-नासर के घरेलू स्टेडियम मृसूल पार्क में रियल मैड्रिड के इस पूर्व खिलाड़ी का स्वागत करने के लिए हजारों की संख्या में प्रशंसक भी थे। रोनाल्डो ने इस अवसर कहा कि मैं इस देश को फुटबॉल की अलग नजर देना चाहता हूं। मैं यहां जीतने खेलने आनंद लेने के लिए आया हूं। रोनाल्डो का नाम शुक्रवार को अल-नासर क्लब से जुडने् के बाद से ही पूरे रियाद में जश्न मनाया गया था। इस खिलाड़ी के स्वागत में उनकी प्रतिष्ठित 7 नंबर की जर्सी पहनें सैकड़ों प्रशंसक सड़कों पर नजर आये।

सैमसन चोटिल हुए जितेश बचे हुए मैचों के लिए टीम इंडिया में शामिल

पुणे । विदर्भ के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा को श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के बचे हुए मैचों के लिए टीम इंडिया में शामिल किया गया है। जितेश को विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के चोटिल होने के कारण टीम में जगह मिली है। पुणे और फिर राजकोट में होने वाले मैच में जितेश उनकी जगह टीम का हिस्सा होंगे। 29 साल के जितेश का जन्म महाराष्ट्र के अमरावती में हुआ था। फरवरी 2014 में उन्हें विदर्भ के लिए राजस्थान के खिलाफ पहला मैच खेलने का मौका मिला था। साल 2015 में उन्हें फर्स्ट क्लास डेब्यू किया। 2017 के बाद उन्हें फर्स्ट क्लास मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। लेकिन लिस्ट ए और टी20 में वह विदर्भ के प्रमुख बल्लेबाज हैं। 76 टी20 मैच में जितेश के नाम 148 की स्ट्राइक रेट से 1787 रन हैं। वहीं 43 लिस्ट ए पारियों में उन्होंने 1350 रन बनाए हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के 2015-16 सीजन में उन्होंने शानदार खेल दिखाया था। जितेश ने 9 मैचों में 143.51 की स्ट्राइक रेट से 343 रन बनाए थे। इसमें 1 शतक के साथ ही दो अर्धशतक भी थे। वह टूर्नामेंट में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। इस प्रदर्शन के बाद मुंबई इंडियंस ने उन्हें 10 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ लिया। जितेश शर्मा 2016 और 2017 सीजन में मुंबई इंडियंस के साथ थे। इस दौरान हालांकि उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। टीम ने 2018 की नीलामी से पहले जितेश को रिलीज कर दिया। इसके बाद नीलामी में किसी टीम ने उन्हें खरीदने में दिलचस्पी नहीं दिखाई और जितेश नहीं बिके। वहीं 2022 की नीलामी में पंजाब किंग्स ने जितेश को 20 लाख रुपये में खरीदा। पहले दो मैच में बेंच पर बैठने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ उन्हें डेब्यू का मौका मिला।

हेलिस की कड़ी चुनौती को काबूकर जोकोविच क्वार्टरफाइनल में

(एजेंसी)

सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस की कड़ी चुनौती पर 7-6(3), 7-6(5) से काबू पाकर एडिलेड इंटरनेशनल 1 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। जोकोविच अगले दौर में कनाडा के डेनिस शापोवालोव से खेलेंगे, जिन्होंने रोमन सफीउलिन पर 6-4, 6-3 से आसान जीत दर्ज की। एडिलेड इंटरनेशनल ने जोकोविच के हवाले से कहा, यह आज मेरे प्रतिद्वंद्वी का शानदार प्रदर्शन था। मैं उन्हें शानदार गुणवत्ता और शानदार मुकाबले के लिए बधाई देना चाहता हूं। भाग्य का साथ नहीं था, लेकिन वह आज शीर्ष-10 खिलाड़ी की तरह खेले, इसमें कोई संदेह नहीं है। उन्होंने कहा, जहां तक मेरे खेल की बात है, मैं कोर्ट पर अच्छा महसूस करता हूं। मेरी शुरूआत इतनी अच्छी नहीं थी। मैंने अपनी सर्विस जल्दी गंवा दी। वह वास्तव में अच्छी सर्विस कर रहे थे। एडिलेड इंटरनेशनल ने जोकोविच के हवाले से कहा, यह आज मेरे प्रतिद्वंद्वी का शानदार प्रदर्शन था। मैं उन्हें शानदार गुणवत्ता और शानदार मुकाबले के लिए बधाई देना चाहता हूं। भाग्य का साथ नहीं था, लेकिन वह आज शीर्ष-10 खिलाड़ी की तरह खेले, इसमें कोई संदेह नहीं है।

पारी को संवारने वाले खिलाड़ियों की जरुरत : गंभीर

कोई भी खिलाड़ी दूसरे की तरह नहीं खेल सकता

मुम्बई । टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि किस एक खिलाड़ी को दूसरे की तरह खेलने के लिए नहीं कहा जा सकता है। बीसीसीआई ने एकदिवसीय विश्वकप के लिए 20 खिलाड़ियों के नाम तय किये हैं। जिन्हें विश्वकप के लिए तैयार किया जाएगा। गंभीर ने कहासबसे पहले आपको उन खिलाड़ियों की पहचान करने की आवश्यकता है जिनके पास वह निडर रवैया है और 50 ओवर जैसे प्रारूप में आपके पास हर तरह के खिलाड़ी होने चाहिये। ऐसे खिलाड़ी हैं जो अपनी पारी को संवार सकते हों। अब भूमिका में बदलाव ने एक बड़ा अंतर भी बना दिया है। उस दौरान हमारे पास केवल एक नई गेंद थी अब हमारे पास दो नई गेंदें हैं जिसमें पांच क्षेत्ररक्षक अंदर हैं। गंभीर ने आगे कहाआजकल अब आप पर्याप्त रिवर्स स्विंग नहीं देखते हैं आप फिंगर स्पिनरों की ओर नहीं देखते हैं। लेकिन मुझे हमेशा लगता है कि जब हम इस नए रवैये के बारे में बात करते हैं जिसके बारे में भारत हमेशा बात करता है तो आपको ऐसे खिलाड़ियों की पहचान करने की जरूरत है जो उन भूमिकाओं को बहुत आसानी से अपना सकते हैं।गंभीर ने आगे कहा कि आप विराट कोहली को सूर्यकुमार यादव जैसे बल्लेबाजी करने के लिए नहीं कह सकते। इसलिए आपको खिलाड़ियों की पहचान करना जरूरी है।

बेर के सेवन से पाएं कई सेहत समस्याओं से निजात

'बेर' खास और खट्टा-मीठा फल है। यह फल खाने में जितना अच्छा लगता है, इसके फायदे भी उतने ही होते है। यदि आप ठंड में बेर का सेवन करते हैं तो इस मौसम में होने वाली सेहत समस्या और अन्य कई समस्याओं से निजात भी पा सकते हैं। आइए, जानते हैं बेर फल को खाने से मिलने वाले फायदे -

- यदि आपकी त्वचा पर कट लगा हो या घाव हो जाए तो आप बेर का गूदा घिसकर घाव पर लगा लें। ऐसा करने से घाव जल्दी भरता है।
- बेर का सेवन खुश्की और थकान को दूरने में मदद करता है।
- बेर की पत्तियों में कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, पोटेशियम, सोडियम, क्लोरीन, प्रचुर मात्रा में होता है। यदि आप बेर और नीम के पत्ते पीसकर सिर में लगाएं तो इससे सिर के बाल गिरने कम होते हैं।
- बेर का जूस पीने से बुखार और फेफड़े संबंधी रोग ठीक होते है।
- बेर पर नमक और काली मिर्च लगाकर खाने से अपच की समस्या दूर होती है।
- सूखे हुए बेर खाने से कब्ज और पेट संबंधित परेशानियां दूर होती हैं।
- अगर आप बेर को छाछ के साथ लेंगे तो इससे घबराहट, उलटी आना और पेट दर्द से राहत मिलती है।
- नियमित बेर खाने से अस्थमा के रोगियों को भी आराम मिलता है साथ ही अगर किसी को मसूड़ों में घाव हो गया हो तो वह भी जल्दी भर जाता हैं।

टमाटर सूप है बेहद फायदेमंद

लाल लाल स्वादिष्ट टमाटर कई सब्जियों व डिश का अहम हिस्सा होते है। कच्चे टमाटर के अलावा उनका सूप भी बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। आमतौर पर खाने से पहले स्टार्टर के तौर पर लिए जाने वाले टमाटर सूप में विटामिन A, E, C, K और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो आपको हेल्दी और फिट रखने में मदद करते हैं। टमाटर सूप पीने से सेहत को मिलने वाले गजब के फायदे -

हड्डियों के लिए फायदेमंद

टमाटर सूप में विटामिन K और केल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूत रखता है। इसके अलावा शरीर में लाइकोपीन की कमी होने से भी हड्डियों पर तनाव बढ़ता है और टमाटर में काफी मात्रा में लाइकोपीन होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है।

दिमाग को रखें दुरुस्त

टमाटर सूप में भरपूर मात्रा में कॉपर और पोटेशियम पाया जाता है, जिससे नर्वस सिस्टम ठीक रहता है और दिमाग को मजबूती मिलती है।

विटामिन की कमी करे पूरी

टमाटर सूप में विटामिन A और C अच्छी मात्रा में होता है। विटामिन इ, टिशू के विकास के लिए जरूरी होता है। कहते है कि शरीर में रोजाना 16% विटामिन A और 20% विटामिन C की जरूरत होती है और टमाटर सूप इसकी जरूरत को पूरा करता है।

वजन करे कम

टमाटर सूप को अगर ऑलिव ऑयल से बनाया जाए तो यह वजन घटाने में सहायक होता है, क्योंकि इसमें पानी और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे आपको काफी समय तक भूख नहीं लगती।

कैंसर का खतरा करे कम

टमाटर सूप में लाइकोपीन और कैरोटोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जिससे कैंसर की आशंका कम हो जाती है।

ब्लड शुगर को करे नियंत्रण

डायबिटीज के मरीजों को डाइट में टमाटर सूप जरूर लेना चाहिए। इसमें क्रोमियम होता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखने में सहायक होता है।

रक्त प्रवाह को बढ़ाए

टमाटर में सेलेनियम होता है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाता है जिससे एनिमिया का खतरा कम हो जाता है।

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन

गुड़ एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो आपको घर की रसोई में ही बड़ी आसानी से मिल जाएगा। इसका सेवन अगर अलग-अलग रूपों से किया जाए तो यह हमारी सेहत को नीचे बताई जा रही बीमारियों की चपेट में आने से बचाए रख सकता है।

गुड़ के फायदे

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन, इन जानलेवा बीमारियों का खतरा हो जाएगा कमसेहतमंद बने रहने के लिए हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन नियमित रूप से भी करना चाहिए। खाने के बाद हमें अक्सर किसी मीठे पदार्थ को खाने की सलाह दी जाती है ताकि पाचन क्रिया में आसानी हो। इन खाद्य पदार्थों में गुड़ का भी नाम शामिल है जो आमतौर पर सभी घरों में बड़ी आसानी से मिल जाता है। विभिन्न प्रकार के पकवानों को बनाने में भी गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका अलग-अलग रूप से सेवन करें तो यह हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इस लेख में आपको गुड़ का सेवन करने से होने वाले विशेष फायदों के बारे में बताया जाएगा ताकि आप भी अपनी दिनचर्या में इसको शामिल करके सेहतमंद बने रहें।

वजन घटाने में

वजन घटाने के लिए मुख्य रूप से गुड़ के पानी का सेवन करने की सलाह दी जाती है। कई मशहूर डायटिशियन भी सुझाव देते हैं कि जिन लोगों को मोटापे की समस्या है, उन्हें नियमित रूप से गुड़ के पानी का सेवन करना चाहिए1 इससे वजन को कम करने में प्रभावी रूप से असर दिखाई पड़ने लगता है।

पाचन क्रिया को ठीक करने के लिए

पाचन क्रिया को अगर थोड़ी भी समस्या का सामना करना पड़ता है तो यह में कई प्रकार की बीमारियों की चपेट में ला सकता है। एक अध्ययन के अनुसार इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है। फाइबर एक ऐसा पोषक तत्व है जो मुख्य रूप से पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए शरीर के लिए बहुत आवश्यक होता है। गुड़ के जरिए इस पोषक तत्वों की पूर्ति करके पाचन क्रिया को मेंटेन रखा जा सकता है।

खून की कमी होने से बचाए

खून की कमी सबसे ज्यादा गर्भावस्था में महिलाओं को परेशान कर सकती है और यह समस्या गर्भस्थ शिशु के लिए मुसीबत बन सकती है। चूंकि गुड़ में आयरन की काफी मात्रा होती है इसलिए महिलाओं के लिए इसका सेवन खून की कमी होने से रोकेगा और जच्चा-बच्चा दोनों को स्वस्थ रखने में भी मददगार साबित होगा। हालांकि, पहली और दूसरी तिमाही में गुड़ का सेवन न करने की सलाह दी जाती है क्योंकि गुड़ की तासीर गर्म होती है और यह बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने के लिए

रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) को मजबूत बनाकर आप कई प्रकार कीसंक्रामक बीमारियों और कुछ जानलेवा बीमारियों के खतरे से भी बचे रह सकते हैं। एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, गुड में मौजूद जिंक और विटामिन-सी की मात्रा रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी रूप से मददगार साबित होती है। इसलिए जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर है, वे गुड़ का सेवन कर सकते हैं।

ब्लड प्रेशर को कम करे

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से हर साल पूरी दुनिया में लाखों लोगों की मौत होती है। इसे हाइपरटेंशन के नाम से भी जाना जाता है। जबकि गुड़ में मौजूद पोटेशियम की मात्रा आपको हाइपरटेंशन की समस्या से बचा सकती है। इतना ही नहीं, गुड में मौजूद पोटैशियम की मात्रा आपके ब्लड प्रेशर को संतुलित बनाए रखने के साथ-साथ स्ट्रोक, ओस्टियोपोरोसिस और किडनी स्टोन की समस्या से भी शरीर को सुरक्षा प्रदान करती है।

लिवर को साफ रखने के लिए

लिवर की क्लीनिंग करना बहुत जरूरी है, नहीं तो यहां अल्सर और इंफेक्शन की भी समस्या हो सकती है। लिवर में अगर लंबे समय तक संक्रमण बना रहता है तो यह कैंसर का रूप ले सकता है। जबकि गुड़ में मौजूद डिटॉक्सिक गुण टॉक्सिक पदार्थों को लिवर से बाहर निकालने का कार्य कर सकता है। इसके लिए आप चाहे तो गुड़ को गर्म पानी में उबालकर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

गुड़ खाने के नुकसान क्या हैं?

गुड़ खाने के फायदे के साथ-साथ आपको इससे होने वाले संभावित नुकसान के बारे में भी बताया जा रहा है ताकि आप अपनी सेहत का खास ख्याल रख सकें। अधिक मात्रा में किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन करना नुकसानदायक होता है और गुड़ के साथ भी यही बात लागू होती है। अधिक मात्रा में यदि आप गुड़ का सेवन करते हैं तो यह शुगर, मोटापा और टाइप टू डायबिटीज का खतरा भी बढ़ा सकता है।

दालें प्रोटीन से भरपूर होती हैं। वैसे तो हर दाल पोषक तत्वों से भरपूर होती है लेकिन फिर भी अगर आपको प्रोटीन की मात्रा से के साथ कुछ परेशानियों को जड़ से खत्म करना है, तो आप अपनी डाइट में मूंग दाल जरूर जोड़ें। किसी भी रूप में मूंग दाल के सेवन के कई फायदे हैं।

पोषण के मामले में सभी दालों पर भारी है मूंग दाल

दाल के पोषक तत्व

- दालों में सबसे पौष्टिक दाल, मूंग की होती है, इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई की भरपूर मात्रा होती है। साथ ही पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम की मात्रा भी मूंग में बहुत होती है। इसके सेवन से शरीर में कैलोरी भी बहुत नहीं बढ़ती है। अगर अंकुरित मूंग दाल खाएं तो शरीर में कुल 30 कैलोरी और 1 ग्राम फैट ही पहुंचता है।
- अंकुरित मूंग दाल में मैग्नीशियम, कॉपर, फोलेट, राइबोफ्लेविन, विटामिन, विटामिन सी, फाइबर, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, विटामिन बी -6, नियासिन, थायमिन और प्रोटीन होता है।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ग्लूकोज लेवल बहुत कम होता है इस वजह से मधुमेह रोगी इसे खा सकते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ओलियोसाच्चाराइडस होता है जो पॉलीफिनॉल्स से आता है। ये दोनों की घटक, गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रबल करते हैं। कैंसर के रोगी भी इसका सेवन आराम से कर सकते हैं।
- मूंग की दाल में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा देते हैं और उसे बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। इसमें एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफलामेट्री गुण होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में शरीर के टॉक्सिक को निकालने के गुण होते हैं। इसके सेवन से शरीर में विषाक्त तत्वों में कमी आती है।

ऐसे बनाएं हेल्दी मूंग दाल का चीला

रात को मूंग दाल को एक पैन में पानी डालकर रख दें। इसके बाद सुबह इसे छान कर ग्राइंडर में पीस लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर अच्छी तरह से मिला लें। अब तवा को गर्म करें। गर्म हो जाने में थोड़ा सा तेल डालकर मूंग दाल के पेस्ट को डालकर अच्छी तरह से फैला लें। इसके बाद इसमें सभी सब्जियां और पनीर डाल दें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा घी डालकर दूसरी तरफ भी सेंक लें। इसके बाद इसे प्लेट में निकाल लें। आपका मूंग दाल का चीला बनकर तैयार हैं। इसे हरी या लाल चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

नारियल पानी के सेवन से मिलते हैं बेहतरीन सेहत लाभ

नारियल पानी अधिकतर लोगों को पसंद आता है। लेकिन ये सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद है। दरअसल, इसमें शरीर के लिए फायदेमंद कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट पाए जाते हैं। जो आपको कई सेहत लाभ देते है। तो आइए जानते हैं नारियल पानी से क्या-क्या फायदे मिलते हैं.

- नारियल पानी का सेवन लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। नारियल पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। जो लिवर में कई तरह के विषाक्त पदार्थों की गतिविधि को कम करते हैं। इसका सेवन करना लिवर के लिए काफी लाभकारी होता है।
- पेट के लिए नारियल पानी बेहद फायदेमंद है। इसके सेवन से पेट दर्द, एसिडिटी, अल्सर में थोड़ा-थोड़ा नारियल पानी पीने से आराम मिलता है।
- ऊर्जावान रहने के लिए नारियल पानी काफी अच्छा होता है। इसके सेवन से कमजोरी, थकान, चक्कर आने जैसी समस्याओं में इसको पीने से तत्काल लाभ प्राप्त होता है।
- नारियल पानी हृदय रोग का जोखिम कम करने का काम करता है। इसके सेवन से खराब कोलेस्ट्रॉल कम होता है।
- वजन कम करना चाहते है, तो नारियल पानी आपकी बहुत मदद करेगा। यह कैलोरी में कम और पचाने में आसान होता है। इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो वजन और मोटापा कम करने में मददगार हैं।
- त्वचा में ग्लो और स्किन बिलकुल क्लिन रखना चाहते है तो नारियल पानी आपको नियमित रूप से पीना चाहिए। यदि चेहरे पर मुहांसे और दाग धब्बों की समस्या बढ़ गई है ,तो नारियल पानी का सेवन आपकी सारी समस्या को दूर करेगा।

इस आयुर्वेदिक चाय से मजबूत होगा इम्यून सिस्टम

अगर आपकी प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार से पीड़ित हो रहे हैं तो आपको जरूरत है इस खास आयुर्वेदिक चाय की। तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय तेजी से आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी।

चाय बनाने की सही विधि

सामग्री : तुलसी के सुखाए हुए पत्ते (जिन्हें छाया में रखकर सुखाया गया हो) 500 ग्राम, दालचीनी 50 ग्राम, तेजपान 100 ग्राम, ब्राह्मी बूटी 100 ग्राम, बनफशा 25 ग्राम, सौंफ 250 ग्राम, छोटी इलायची के दाने 150 ग्राम, लाल चन्दन 250 ग्राम और काली मिर्च 25 ग्राम।

विधि : सब पदार्थों को एक-एक करके इमाम दस्ते (खल बत्ते) में डालें और मोटा-मोटा कूटकर सबको मिलाकर किसी बरनी में भरकर रख लें। बस, तुलसी की चाय तैयार है। दो कप चाय के लिए यह 'तुलसी चाय' का मिश्रण (चूर्ण) आधा छोटा चम्मच भर लेना काफी है।

दो कप पानी एक तपेली में डालकर गरम होने के लिए आग पर रख दें। जब पानी उबलने लगे तब तपेली नीचे उतार कर आधा छोटा चम्मच मिश्रण डालकर फौरन ढक्कन से ढंक दें। थोड़ी देर तक उबलने दें फिर छानकर कप में डाल लें। इस चाय में दूध नहीं डाला जाता। मीठा करना चाहें तो उबलने के लिए आग पर तपेली रखते समय ही उचित मात्रा में शकर डाल दें और गरम होने के लिए रख दें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'आतंकवाद का पनाहगाह' वाली छवि सुधारना चाहता है तालिबान? इस्लामिक स्टेट के ठिकानों पर मारे छापे, 8 आतंकवादियों को उतारा मौत के घाट

इस्लामाबाद। महिलाओं पर प्रतिबंध लगाने के बाद जब ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन के देशों ने जब से तालिबान की फटकार लगाई है इसे समझ आने लगा है कि अगर यही हालात रहे तो वह दुनिया में पूरी तरह से अलग-थलग पड़ जाएगा। ऐसे में जिन देशों के साथ उसकी थोड़ी सी भी ठीक-ठाक है उनसे वह अपने रिश्ते नहीं बिगाड़ रहा हैं। वहीं आतंकियों को पनाह देने वाली अपनी छवि को सुधारने की तालिबान लगातार कोशिश कर रहा हैं ताकि अन्य देशों के साथ उसके व्यापारिक संबंध बढ़ सकें। अब ताजा अपडेट के अनुसार तालिबान ने आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट के कुछ ठिकानों पर हमला कर 8 आतंकवादियों को मार दिया है। अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान ने इस्लामिक स्टेट के आठ आतकंवादियों को मार गिराया और नौ अन्य को गिरफ्तार कर लिया। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि राजधानी और पश्चिमी निमरोज प्रांत में आईएस आतंकवादियों को निशाना बनाते हुए छापे मारे गए। इन आतंकवादियों ने हाल में काबुल के लोगान होटल,पाकिस्तानी दूतावास और सैन्य हवाई अड्डे पर हमले किए थे। मुजाहिद ने कहा कि आठ आतंकवादी मारे गए,इनमें विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। सात आतंकवादियों को काबुल से गिरफ्तार किया गया, वहीं निमरोज प्रांत में एक अभियान में दो आतंकवादी पकड़े गए। सरकारी प्रवक्ता ने ट्वीट किया, ''इन सदस्यों की चीनी होटल पर हमले में मुख्य भूमिका थी और इन्होंने आईएस के विदेशी आतंकवादियों के आगफानिस्तान आने का मार्ग प्रशस्त किया।''

कॉल सेंटर धोखाधड़ी : भारतीय नागरिक को 29 महीने की सजा

वाशिंगटन। कॉल सेंटर धोखाधड़ी में संलिप्तता के मामले में एक भारतीय नागरिक को 29 महीने कारावास की सजा सुनाई गई है। मोइन इदरीसभाई पिंजारा ने 30 नवंबर को अपना गुनाह कबूल कर लिया था। सजा पूरी होने के बाद उसे निष्कासित किया जा सकता है। अमेरिकी जिला न्यायाधीश एंड्रयू हैनन ने पिंजारा को धोखाधड़ी का शिकार हुए लोगों को मुआवजे के रूप में 6,35,103 अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने का आदेश भी दिया। अमेरिकी अटॉर्नी आलमदार एस. हमदानी ने बताया कि पिंजारा दिसंबर 2019 से जुलाई 2020 के बीच भारत स्थित कॉल सेंटर में धोखाधड़ी में शामिल था। ये लोग (कॉलर्स) अमेरिका में लोगों को फोन करके अलग-अलग बहाने से पैसे ठगा करते थे। पिंजारा कई अन्य नामों और फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर उन 'पार्सल' को हासिल करता था जिनमें नकदी होती थी जिसे लोग डाक के जरिए भेजा करते थे। जांच के दौरान कानून प्रवर्तन को इस धोखाधड़ी का शिकार बने सैकड़ों लोगों का पता चला। इसके जरिए लाखों डॉलर से अधिक की ठगी की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'सोशल सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन' (एसएसए) लगातार इस तरह की धोखाधड़ी के बारे में लोगों को आगाह करता रहता है।

यूक्रेन को 'ब्रैडले फाइटिंग व्हीकल्स' देने पर विचार कर रहे : बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उनका प्रशासन रूस और यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच कीव को 'ब्रैडले फाइटिंग व्हीकल्स (बीएफवी) भेजने पर विचार कर रहा है। इससे यूक्रेन को लड़ाई में मदद मिलेगी। बाइडन ने इसकी जानकारी दी। राष्ट्रपति से संवाददाताओं ने प्रश्न पूछा था कि क्या उनकी यूक्रेन को बख्तरबंद लडाकू वाहन भेजने की कोई योजना है इस पर बाइडन ने अपने जवाब में कहा 'हां। हालांकि उन्होंने इस संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को 11 माह हो गए हैं। इसके बाद कीव अमेरिका से उस अतिरिक्त टैंक लंबी दूरी की मिसाइलें हवाई रक्षा प्रणाली आदि देने की मांग कर रहा है। कड़ाके की ठंड के बावजूद पूर्वी यूक्रेन में भीषण लड़ाई चल रही है। गौरतलब है कि ब्रैडले एक लड़ाकू वाहन है जिसका इस्तेमाल सैनिकों के परिवहन में भी किया जा सकता है। इसमें पहियों के बजाय 'ट्रैक' होते हैं और यह तोप से अधिक बड़ा तथा शक्तिशाली है। अमेरिकी सेना में ब्रैडले का अब भी इस्तेमाल होता है। हालांकि वह लंबे समय से इसका विकल्प तलाश रही है। यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की पिछले माह अमेरिका गए थे। उन्होंने अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को स्पष्ट किया था कि यूक्रेन को अधिक आधुनिक हथियारों की जरूरत है।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख का उम्मीद 2023 में खत्म हो जाएगा कोरोना का खतरा

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अदनोम घेब्रेयसस ने उम्मीद जाहिर की है कि कोरोना संक्रमण 2023 में खत्म हो जाएगा। टेड्रोस ने कहा कोविड-19 निस्संदेह अभी भी चर्चा का एक प्रमुख विषय है लेकिन मुझे विश्वास के साथ ही उम्मीद है कि सही प्रयासों से इस साल यह सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल आधिकारिक रूप से समाप्त हो जाएगा। डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा कि नैदानिक देखभाल टीकों और उपचारों में सुधार के कारण दुनिया अब कुछ साल पहले की तुलना में काफी बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि परीक्षण उपचार और टीकाकरण तक पहुंच में अभी भी काफी असमानताएं हैं और अंततः कोरोना मानव स्वास्थ्य अर्थव्यवस्था और समाज के लिए बड़े पैमाने पर एक खतरनाक वायरस बना हुआ है। बता दें कि कोरोना का पहला मामला चीन के वुहान में दिसंबर 2019 में दर्ज किया गया था।

आईएस ने काबुल में जांच चौकी पर हुए बम धमाके की जिम्मेदारी ली

काबुल। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने राजधानी काबुल में एक सैन्य हवाई अड्डे के पास स्थित जांच चौकी पर हुए बम धमाके की जिम्मेदारी ली है। हमले में कई लोग हताहत हुए थे। आईएस ने बयान जारी कर कहा कि काबुल में एक जांच चौकी पर रविवार को हुए बम धमाके को उसी हमलावर ने अंजाम दिया जो दिसंबर में राजधानी में एक होटल में किए गए हमले में शामिल था। वर्ष 2021 में काबुल में फिर तालिबानी हुकूमत स्थापित होने के बाद आईएस के क्षेत्रीय समूह इस्लामिक स्टेट इन खोरासन प्रोविंस (आईएसकेपी) ने अफगानिस्तान में हमले तेज कर दिए हैं। तालिबान के गश्ती दल और अल्पसंख्यक शिया समुदाय के सदस्य इन हमलों में निशाने पर रहे हैं। आईएस ने अब्दुल जब्बार नाम के हमलावर की फोटो साझा कर कहा कि होटल पर हमले के दौरान गोला-बारूद खत्म होने के बाद वह (जब्बार) घटनास्थल से भागने में कामयाब रहा था। संगठन ने दावा किया कि जब्बार ने हवाई अड्डे के पास जांच चौकी पर इकठटे सैनिकों को निशाना बनाकर विस्फोटकों से लदी अपनी जैकेट में विस्फोट किया। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल नफी ताकोर ने जांच चौकी पर हमले के बाद बताया था कि इसमें 'कई' लोग मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं।

यूनाइटेड किंगडम : 18 साल की उम्र तक गणित पढ़ना होगा अनिवार्य, ऋषि सुनक जल्द कर सकते हैं ऐलान

लंदन : ब्रिटेन में सभी विद्यार्थियों के लिए जल्द ही 18 साल की उम्र तक गणित शिक्षा को अनिवार्य किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक इस योजना पर काम कर रहे हैं। 2023 के अपने पहले भाषण में वो इसकी घोषणा कर सकते हैं। जिसमें सभी विद्यार्थियों को 18 साल की उम्र तक गणित की पढ़ाई करना जरूरी होगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री साल 2023 के लिए अपने एजेंडे का निर्धारण करने वाले हैं। जिसमें वो कई मुद्दों को संबोधित करेंगे। इसमें इनका मकसद अपनी कंजर्वेटिव पार्टी के लिए जनाधार को भी मजबूत करना है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का लक्ष्य घरेलू नीति के एजेंडे में शिक्षा में सुधार की नीति को सामने रखना है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सनक ने कहा कि वह यूनाइटेड किंगडम में सभी विद्यार्थियों को 18 वर्ष की आयु तक किसी न किसी रूप में गणित का अध्ययन सुनिश्चित करने की योजना पर विचार कर रहे हैं। हम उन कुछ देशों में से एक हैं जहां हमारे बच्चों को 18 साल की उम्र तक गणित के किसी भी रूप का अध्ययन करने की आवश्यकता नहीं है।

शंघाई में कोरोना संक्रमण फैलने के बाद एक अस्पताल में भर्ती लोग।

फरवरी में युद्ध तेज करने की तैयारी कर रहा है रूस यूक्रेन के एक शीर्ष अधिकारी ने किया दावा

कीव। रुस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को फरवरी में एक साल पूरा होने वाला है। यूक्रेन के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि फरवरी में सीमा पर युद्ध तेज करने की रूस तैयारी कर रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव ओलेक्सी डेनिलोव ने कहा कि फरवरी उनके लिए निर्णायक होगी वे इसके लिए तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई ऐसे संकेतक हैं जिन्हें देखकर अब यह कहा जा सकता है कि फरवरी में इस मुद्दे को हल करने के लिए एक और प्रयास किया जा सकता है।

डेनिलोव ने कहा कि यूक्रेन किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयारी कर रहा है इसके लिए सुप्रीम कमांडर-इन-चीफ के कर्मचारी सप्ताह में दो से तीन बार मिलते हैं। उन्होंने यूक्रेन के पास शक्तिशाली हथियार होने पर कहा- जल्दी ही हमारे पास शक्तिशाली टैंक होंगे पूरी तरह से अलग विमान होंगे और यह निकट भविष्य में होगा। अपने बयान में डेनिलोव ने कहा यूक्रेन के एक राजनेता तारास कोजाक यूरोपीय लोगों के साथ बैठक कर रहे हैं और उन्हें मिन्स्क-3 के समान शांति सौदों पर हस्ताक्षर करने के लिए राजी करने की कोशिश कर रहे हैं।

मिन्स्क-3 अंतरराष्ट्रीय समझौतों की एक श्रृंखला को संदर्भित करता है जो पूर्वी यूक्रेन में डोनबास में संघर्ष को समाप्त करेगा।

न नौकरी न पढ़ाई, लड़कियों पर मुश्किल छाई,

तालिबानी शिक्षा मंत्री की दो टूक- चाहे परमाणु बम गिरा दो, नहीं बदलेंगे महिलाओं पर बैन वाला फैसला

काबुल (एजेंसी)। 15 अगस्त 2021 यानी आज से करीब 16 महीने पहले अफगानिस्तान में तालिबान वापस लौटा तो उसके साथ चार करोड़ की आबादी वाले देश में डर की भी वापसी हुई थी। ज्यादातर लोगों को डर था कि दोबारा उन्हें उस अमानवीय और अत्याचारी शासन में रहना पड़ेगा जिसे वो 20 साल पहले भुगत चुके हैं। इसलिए इतिहास में दर्ज तालिबान की क्रूरता को लेकर सारी दुनिया की निगाहें अफगानिस्तान पर थी। तालिबान भी इस बात को जानता था, इसलिए उनसे सारी दुनिया के सामने अफगानिस्तान के लोगों से शांति और स्थिरता का वादा किया था। ये भी कहा था कि वो किसी भी नागरिक पर इस्लामिक नियम नहीं थोपेगा। लेकिन वो सारी बातें झूठी थी। पिछले 16 महीने के शासन में तालिबान ने ये दिखाया कि वो बदला नहीं है बल्कि उसकी बातें बदल गई है। उसकी सोच आज भी ढाई दशक पुरानी है।

15 अगस्त 2021 को तालिबान राज की जब अफगानिस्तान में वापसी हुई थी तो सबसे ज्यादा डर महिलाओं में देखा गया था। जिन्होंने सबसे अधिक तालिहबानी क्रूरता झेली थी। उनका डर गलत नहीं था। कुछ ही महीनों में उनका डर सच में बदल गया। अब तालिबान के महिला विरोधी फैसलों के बाद उसकी तरफ से दो टूक कह दिया गया है कि वो इसे

नहीं बदलने वाला है। तालिबान सरकार के शिक्षा मंत्री निदा मोहम्मद नदीम ने कहा है कि चाहे अफागानिस्तान पर परमाणु बम गिरा दिया जाए, पर इस्लामिक अमीरात सरकार अपना फैसला नहीं बदलने वाली है।

तालिबानी मंत्री मोहम्मद नदीम ने साफ कहा है कि अफगानिस्तान एक संप्रभु देश है। ऐसे में दुनिया के बाकी देशों को उसके आंतरिक मामलों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया की उनकी सरकार कका लिया गया निर्णय इस्लामिक कानूनों के अनुसार है और ये नहीं बदलने वाला है, चाहे जितना भी दबाव बना लिया जाए।

पहले तालिबान ने अफगान पर कब्जा करने के बाद महिलाओं और युवतियों की शिक्षा को लेकर फरमान जारी किया था। जिसमें कहा गया था कि पुरुषों के स्कूलों में महिला व युवती नहीं पढ़ सकेंगी। साथ ही इन्हें महिला टीचर ही पढ़ा सकेंगे। जिसके बाद उच्च शिक्षा मंत्री के एक पत्र के अनुसार तालिबान ने अफगानिस्तान में युवतियों और महिलाओं के लिए संचालित विश्वविद्यालयों को बंद करने का ऐलान किया है।

दलाई लामा के उत्तराधिकारी की नियुक्ति में हस्तक्षेप करेगा चीन

ताइपे (एजेंसी)। चीन तिब्बत पर दबाव बनाने की हर कोशिश करता है। दलाई लामा का उत्तराधिकारी बनाने के मामले में भी चीन के हस्तक्षेप की आशंका है। इसी के मद्देनजर तिब्बत की निर्वासित सरकार ने लोकतांत्रिक तरीके से तिब्बती नेतृत्व के हस्तांतरण की योजना तैयार की है। इसकी जानकारी स्वयं तिब्बत की निर्वासित सरकार के राष्ट्रपति व सिकयोंग पेन्पा त्सेरिंग ने दी है। त्सेरिंग ने अपने एक साक्षात्कार में रेखांकित किया कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा वर्ष 1995 में प्रतिद्वंद्वी पंचेन लामा की नियुक्ति जैसी पुनरावृत्ति हो सकती है जब दलाई लामा की ओर से चुने गए लड़के को जनता की नजरों से ओझल कर दिया गया था।

उन्होंने कहा कि दोबारा ऐसी उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि मौजूदा दलाई लामा के न रहने के बाद क्या होगा खासतौर पर यदि चीन-तिब्बत समस्या का समाधान नहीं हुआ तो यह तिब्बितयों के लिए चुनौती है राष्ट्रपति (सिकयोंग) त्सेरिंग ने कहा कि हमारा मानना है कि निश्चित तौर पर चीन दलाई लामा के उत्तराधिकारी की नियुक्ति में हस्तक्षेप करेगा। वे इसकी गत 15 साल से तैयारी कर रहे हैं। त्सेरिंग सिकयोंग की उपाधि भी धारण करते हैं। उन्होंने कहा कि चीन की सरकार ने वर्ष 2007 में एक आदेश जारी किया था जिसमें सभी अवतारित लामाओं के उत्तराधिकारी की नियुक्ति प्रक्रिया में उसकी मौजूदगी की जरूरत बताई गई थी।

चीन का उद्देश्य धर्म को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना: त्सेरिंग

राष्ट्रपति (सिकयोंग) त्सेरिंग ने कहा कि चीन का उद्देश्य धर्म को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना था। हालांकि न तो चीन की और न ही किसी अन्य सरकार की कोई भूमिका होनी चाहिए। तिब्बत की निर्वासित सरकार के राष्ट्रपति ने कहा कि चीनियों ने वर्ष 1995 में तब हस्तक्षेप किया जब एक लड़के (ज्ञानचेन नोरबू) को पंचेन लामा के तौर पर चुना गया। दलाई लामा द्वारा चुने गए पंचेन लामा (गेधुन छोयी न्यिमा) को गायब कर दिया गया और हमें अब तक पता नहीं कि वह जिंदा भी है या नहीं।

चीन का आक्रामक रवैया बरकरार तवांग से मात्र 74 किमी दूर बड़ी संख्या में तैनात की सेना

बीजिंग (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश राज्य में तवांग सीमा पर झड़प के बाद अब चीनी ड्रैगन के इरादे और खतरनाक दिखाई दे रहे हैं। चीन ने तवांग में झड़प वाले स्थल से मात्र 74 किमी की दूरी पर बड़े पैमाने पर सैनिकों की नई तैनाती की है। सैटलाइट तस्वीरों में चीनी सेना की इस खतरनाक चाल का खुलासा हुआ है। तस्वीरों से यह भी खुलासा हुआ है कि चीन ने अपने इस इलाके में विशाल सैन्य शिविर बना लिया है। यह सैन्य शिविर चीन के हाल ही में बनाए गए लहूंजे एयरपोर्ट के पास स्थित है।

इन तस्वीरों से पता चलता है कि चीनी सेना ने दिसंबर में इस सैन्य शिविर को बनाया है। इससे पहले यह खेती करने का इलाका था। इससे पहले चीन और भारत की सेना के बीच 9 दिसंबर को जोरदार झड़प हुई थी। चीन के 300 के करीब सैनिकों ने तवांग के यांग्त्से में भारतीय सैन्य चौकी पर कब्जा करने की कोशिश की थी। इस झड़प में चीन और भारत दोनों ही देशों के कई सैनिक बुरी तरह से घायल हो गए थे। भारतीय जवानों के जोरदार पलटवार की वजह से चीनी सैनिकों को भागना पड़ा था।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि आने वाले समय में चीन फिर ऐसा दुस्साहस कर सकता है और भारत को इसके लिए अलर्ट रहना होगा। उनका कहना है कि यह चीन की सलामी स्लाइसिंग रणनीति का हिस्सा है। चीन भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने की कोशिश करता है या विवादित क्षेत्र को अपना बता देता है जिसे लंबे समय से नो मेन्स लैंड माना जाता रहा है। साल 2020 में गलवान हिंसा के बाद अब भारत और चीन के बीच अक्सर झड़प होती रहती है। 2020 की शुरुआत में चीन ने तिब्बत में एक व्यापक सैन्य अभ्यास किया था। चीन ने दो डिवजन सेना को तैनात किया और भारतीय इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश की। बाद में गलवान हिंसा हुई जिसमें 20 भारतीय जवान शहीद हो गए। चीन के भी 40 के करीब जवान मारे गए थे। इसके बाद से लेकर अब तक दोनों ही देशों के करीब 60 हजार सैनिक पूरी तरह से हथियारों से लैस होकर एलएसी पर आमने सामने खड़े हैं।

अफवाह या सच ! तानाशाह किम जोंग उन बहन-बेटी को दे रहा ट्रेनिंग खुद है बीमार

-अब 9 साल की बच्ची करेगी उत्तर कोरिया पर राज?

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन के गिरते स्वास्थ्य का दावा कई खबरों में किया जा चुका है। इन अपुष्ट दावों के बीच कहा जा रहा है कि वह अपनी बहन और नौ साल की बेटी को भविष्य में देश की सत्ता संभालने के लिए तैयार कर सकते हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि तानाशाह इस तरह की योजना बना रहा होगा क्योंकि वह आने वाली पीढ़ियों के लिए उत्तर कोरिया में अपने परिवार की शक्ति को मजबूत करना चाहता है। उत्तर कोरिया की ओर से पिछले साल जारी की गई अलग-अलग मौकों की तस्वीरों में तानाशाह का वजन अपेक्षाकृत कम नजर आया तभी से यह कहा जाने लगा कि किम जोंग बीमार हैं।

एक अंग्रेजी अखबार की खबर के अनुसार एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर 40 वर्षीय किम की जल्दी मौत हो जाती है या उन्हें सुप्रीम लीडर की कुर्सी से हटना पड़ता है तब भी उनका शासन जारी रहेगा। संभावनाएं हैं कि किम के बाद उनकी छोटी और शक्तिशाली बहन किम यो जोंग उत्तर कोरिया पर राज करेगी। इस बीच किम की नौ साल की बेटी को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। हाल ही में वह अपने पिता के साथ एक मिसाइल लॉन्च को देखने पहुंची थी। उत्तर कोरियाई मीडिया बच्ची को लगातार किम की प्यारी और अनमोल औलाद के रूप में दिखा रहा है। ये खबरें भविष्य के शासन में उसकी भूमिका को लेकर अफवाहों को हवा दे रही हैं लेकिन किम की 35 साल की बहन कई साल से उनके मुख्य विश्वासपात्रों में से एक रही हैं और उन्हें किम के बाद सत्ता का सबसे मजबूत दावेदार माना जाता है।

नॉर्थ कोरिया लीडरशिप वॉच के निदेशक और संस्थापक माइकल मैडेन ने मीडिया को बताया कि अगर किम जोंग उन को सत्ता छोड़नी पड़ी या उनका निधन हो गया तो उत्तर कोरिया में अभिजात्य वर्ग का सामूहिक नेतृत्व देखने को मिल सकता है जिसके केंद्र में किम यो-जोंग होंगी।

उन्होंने कहा कि नेतृत्व टीम में किम के इनर सर्कल के सदस्य भी शामिल होंगे। किम के इनर सर्कल यानी करीबी लोगों में उनकी बहन पत्नी री सोल जू भाई किम जोंग-चुल बेटी जू-एई और उनके शीर्ष जनरल-प्रीमियर किम तो-हुन जनरल चो रयोंग-हे और मार्शल पाक जोंग-चोन शामिल हैं। अपने पिता के साथ मिसाइल लॉन्च की गवाह बनने के बाद अफवाहें उड़ रही हैं कि किम बेटी भी उनकी उत्तराधिकारी हो सकती है। किम के बारे में कहा जाता है कि वह हाइपरटेंशन डायबिटीज हाई कोलेस्ट्रॉल और चेन स्मोकिंग संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रसित हैं।

अमेरिका में 100 सालों में पहली बार नैंसी पेलोसी के उत्तराधिकारी के लिए माथापच्ची जारी

वाशिंगटन। अमेरिका के पिछले 100 सालों के इतिहास में पहली बार स्पीकर चुनाव के लिए लगातार छह राउंड की वोटिंग की गई लेकिन फिर भी कोई नतीजा नहीं निकाला। राष्ट्रपति जो बाइडेन के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने का वादा करने वाले और हंटर बाइडेन के चीन लिंक की जांच के आदेश देने वाले केविन मैककार्थी छठे राउंड की वोटिंग के बाद भी पिछड़ते ही दिखे। केविन को चौथे पांचवे और छठवें चरण के मतदान में भी पर्याप्त संख्याबल नहीं मिला लेकिन वह हार मानने के लिए तैयार नहीं हैं। केविन को जीत के लिए 218 वोट चाहिए लेकिन उन्हें 216-214 वोट ही मिल सके। दो दिनों के लंबे संघर्ष और गतिरोध के बाद रिपब्लिकन ने कहा कि नई कांग्रेस में अपने नए बहुमत का नेतृत्व करने के लिए अध्यक्ष को बैठाने की कठिन प्रक्रिया में प्रगति के कुछ संकेत हैं। 20 रिपब्लिकन नेताओं ने मैक्कार्थी को वोट नहीं दिया जिसके बाद वह स्पीकर पद सुरक्षित नहीं कर सके।

इमरान खान का आरोप : जनरल बाजवा कराना चाहते थे उनकी हत्या

टोक्यो (एजेंसी)। लाहौर। पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान नेसेवानिवृत्त सेनाध्यक्ष कमर जावेद बाजवा पर ताजा हमला बोलते हुये आरोप लगाया कि पूर्व जनरल उनकी हत्या करवा कर देश में आपातकाल की घोषणा करना चाहते थे। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान ने लाहौर में एक निजी समाचार चैनल को दिये साक्षात्कार में यह चौंकाने वाला आरोप लगाया। अप्रैल में अविश?वास प्रस?ताव के जरिए सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से ही 70 वर्षीय खान के संबंध बाजवा के साथ तनावपूर्ण हो गये थे। देश में समय से पहले चुनाव कराने को लेकर सरकार पर दबाव बनाने के उद्देश्य से लाहौर से 150 किलोमीटर दूर वजीराबाद में तीन नवंबर को एक मार्च के दौरान एक कंटेनर ट्रक पर खड़े इमरान और अन्य लोगों पर दो बंदूकधारियों ने कई गोलियां दागी थीं।

इस घटना में उनके दाहिने पैर में गोली लगी थी। चैनल के लाहौर ब्यूरो चीफ के हवाले से डॉन समाचार पत्र ने अपनी खबर में कहा है कि खान ने कहा कि कई लोगों ने उनसे कहा था कि वह बाजवा के खिलाफ आरोप लगाना बंद कर दें क्योंकि वह सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन वह 'जनरल बाजवा द्वारा किये गये अपराधों' पर चुप नहीं रह सकते थे। खबर के अनुसार, खान ने दावा किया कि बाजवा 'मुझे मरवाना चाहते थे।' खान का यह साक्षात्कार चैनल ने अब तक प्रसारित नहीं किया है। खान अतीत में भी बावजा पर आरोप लगा चुके हैं। पूर्व सेनाध्यक्ष अब खान के मुख्य निशाने पर हैं, क्योंकि वह उन्हें सरकार में अपनी सभी विफलताओं का एकमात्र कारण मानते हैं।

अपदस्थ प्रधानमंत्री यह भी आरोप लगाते हैं कि सेवानिवृत्त जनरल ने अमेरिकी साजिश के तहत उनकी सरकार को गिरा दिया था। पिछले महीने खान ने बाजवा पर उनकी सरकार के साथ ''धोखा'' करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि उन्होंने 2019 में तत्कालीन सेना प्रमुख (बाजवा) का कार्यकाल बढ़ा कर एक ''बड़ी भूल'' की थी। जनरल बाजवा (61) 2019 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा तीन साल का सेवा विस्तार दिये जाने के बाद पिछले साल 29 नवंबर को सेवानिवृत्त हो गये थे। खान अब पाकिस्तान सेना के मुखर आलोचक बन चुके हैं। पाकिस्तान करीब 75 साल पहले अस्तित्व में आया था और यहां की ताकतवर सेना ने तख्ता पलट कर आधे से अधिक समय तक देश पर शासन किया है। देश में सेना ने अब तक सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में हमेशा अपनी शक्ति का इस्तेमाल किया है। पाकिस्तानी क्रिकेटर से नेता बने खान एक

मात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें संसद में अविश्वास प्रस्ताव के जरिये अपदस्थ किया गया था। खान ने आरोप लगाया था कि रूस, चीन और अफगानिस्तान पर उनकी स्वतंत्र विदेश नीति के कारण ही अमेरिका की अगुवाई में रची गई साजिश के तहत उनकी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। हालांकि, अमेरिका ने इन आरोपों से इंकार किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बंदरों के साथ सेल्फी लेने के लिए रोकी कार पहाड़ से गिरकर गई शख्स की जान

पुणे (ईएमएस)। कोकण की ओर जाते हुए पुणे के वरंधा घाट रोड पर बंदरों के साथ सेल्फी लेने के दौरान 500 फुट गहरी खाई में गिरने से 39 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार शाम की है। एक अधिकारी ने बताया कि मृतक अब्दुल शेख का शव बुधवार तड़के बरामद किया गया। भोर पुलिस थाने के निरीक्षक विट्ठल डाबाडे ने बताया कि कार से कोंकण की ओर जा रहे शेख वरांधा घाट रोड पर वाघजई मंदिर के पास रुके। चारों ओर बहुत सारे बंदर थे। ऐसे में बंदरों के साथ सेल्फी लेने की कोशिश में वह गहरी खाई में गिर गया। पुलिस ने स्थानीय बचाव दल की मदद से शव को खाई से बाहर निकाला। सेल्फी के चक्कर में मौत का यह कोई पहला मामला नहीं है बल्कि पहले भी इस तरह की खबरें आती रही हैं। सन 2022 में उत्तराखंड के ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 58 पर तोताघाटी के पास सेल्फी लेते समय एक महिला की गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई थी। महिला की तलाश में पुलिस व एसडीआरएफ टीम ने आधी रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। तेज बारिश की वजह से रेस्क्यू को बीच में ही रोक देना पड़ा। अगले दिन सुबह महिला का शव गहरी खाई से निकाला गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू की। देवप्रयाग के तोताघाटी के निकट केदारनाथ से लौट रहे मुरादाबाद निवासी सैनी दंपति कुछ देर के लिए यहां रुके थे। दंपति मुरादाबाद से उत्तराखंड घूमने आया था। महिला का पति राहुल सैनी कुछ दूर खड़ा था। उसकी 27 वर्षीय पत्नी प्रियंका सड़क किनारे सेल्फी ले रही थी। इस दौरान उसका संतुलन बिगड़ा और वह गहरी खाई में जा गिरी।

सीबीआई ने 2435 करोड़ के ऋण धोखाधड़ी मामले में गौतम थापर के खिलाफ दाखिल किया आरोप-पत्र

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कहा कि 2435 करोड़ रुपए के बैंक लोन धोखाधड़ी मामले में सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड और उसके तत्कालीन प्रमोटर गौतम थापर के खिलाफ राउज एवेन्यू जिला अदालतों के समक्ष आरोप पत्र दायर किया है। सीबीआई ने 22 जून 2021 को सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड उसके तत्कालीन प्रमोटर गौतम थापर और अन्य के खिलाफ लोन धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया था। अभियुक्तों ने कथित तौर पर भारतीय स्टेट बैंक की अगुवाई में 13 बैंकों के कंसोर्टियम से 2435 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की थी। ऐसा आरोप था कि अभियुक्तों द्वारा अपने संबंधित पक्षों को बड़ी मात्रा में लोन दिया गया और बाद में समायोजन प्रविष्टियां की गईं। ऐसा भी आरोप था कि आरोपियों ने अन्य बैंकों से लिए गए वित्त का खुलासा किए बिना उन्हीं कागजी साक्ष्यों पर लोन लिया था। उन्होंने गलत बयानी करके और खातों की बुकों प्रविष्टियों एवं वाउचरों में हेरफेर करके बैंकों से धन उधार लिया।

जोशीमठ में जमीन धंसने की आशंका में अफसरों ने मकानों में दरारों की जांच की - 600 से अधिक घरों में आई दरारें

गोपेश्वर। उत्तराखंड के चमोली जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बुधवार को जोशीमठ के उन हिस्सों का दौरा किया जहां मकानों में दरारें आ गई हैं और उन्होंने शहर के धीरे-धीरे डूबने की आशंका के मद्देनजर लोगों को मदद का आश्वासन दिया। भूवैज्ञानिकों राज्य आपदा राहत बल (एसडीआरएफ) अग्निशमन सेवा और स्थानीय पुलिस की टीम के साथ चमोली के अपर जिलाधिकारी और पुलिस उपाधीक्षक ने मारवाड़ी मनोहर बाग और सिंहधार वार्ड में स्थित घरों और भूमि का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कहा कि संबंधित अधिकारियों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। टीम ने स्थानीय लोगों से भी मुलाकात की और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। जोशीमठ के निवासियों ने मंगलवार को चेतावनी दी थी कि अगर राज्य सरकार ने तत्काल उनके पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू नहीं की तो वे सड़कों पर उतरेंगे। जोशीमठ नगर पालिका के चेयरमैन शैलेंद्र पंवार ने कहा कि कस्बे में दरार वाले घरों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 600 से अधिक हो गई।

शादी करने की बात पर प्रेमी ने विवाहित प्रेमिका को 35 बार चाकू से गोद कर उतारा मौत के घाट

- शव के पास मिले आधार कार्ड से पुलिस ने ढूंढ निकाला कातिलों को

कल्याण। अभी दिल्ली में श्रद्धा वालकर हत्याकांड ने जहां पूरे देश में सनसनी मचा रखी है वहीं मुंबई से सटे कल्याण तालुका के टिटवाला इलाके में एक ऐसा ही जघन्य हत्याकांड सामने आया है जब शादी करने की बात पर प्रेमी ने दोस्त की मदद से विवाहित प्रेमिका को 35 बार वार चाकू से गोद कर मार डाला। इस घटना से हड़कंप मच गया है. पुलिस ने भी शव के पास मिले आधार कार्ड से कातिलों को ढूंढ निकाला। प्राप्त जानकारी के अनुसार 12 दिसंबर को टिटवाला के गोविल इलाके में एक महिला की लाश मिली थी. जांच में पुलिस को पता चला कि इस महिला की हत्या 35 बार चाकू से गोद कर की गई है। पुलिस ने जब इस घटना की और जांच की तो यह जघन्य हत्याकांड सामने आया। पुलिस जांच के मुताबिक इस महिला को उसके प्रेमी ने दोस्त की मदद से मार डाला. दरअसल महिला बार-बार शादी का दबाव बना रही थी. मृतक महिला रूपांजलि जाधव पुणे की रहने वाली थी और उसका शव टिटवाला में मिला था। पुलिस ने आधार कार्ड की मदद से उसकी शिनाख्त की। उसके बाद पुलिस ने उसके प्रेमी जयराज चौरे और जयराज के दोस्त सूरज घाटे को गिरफ्तार कर लिया. टिटवाला पुलिस थाना के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जितेंद्र ठाकुर के मार्गदर्शन में पुलिस अधिकारी संदीप शिंगटे की टीम आगे की जांच कर रही है. पुलिस ने शव के पास मिले आधार कार्ड से उसके परिजनों से संपर्क कर घटना की जांच की और फिर आरोपियों को पकड़ा।

लुधियान में श्रमिकों पर गिरा पिघला हुआ लोहा, आठ मजदूर अस्पताल में भर्ती

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना स्थित एक फैक्टरी में बृहस्पतिवार को पिघला हुआ लोहा गिरने से आठ मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि लुधियाना के साहनेवाल के निकट यह हादसा हुआ, जहां सभी श्रमिक एक फैक्टरी में रात के समय काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां दो की हालत नाजुक बताई गई है। साहनेवाल पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक सुखदेव सिंह ने कहा कि उनकी टीम मामले की जांच कर रही है और घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

वंदे भारत पर पथराव पर बोलीं ममता, यह बंगाल में नहीं, बिहार में हुआ, गलत खबर फैलाने वालों के खिलाफ करेंगे कानूनी कार्रवाई

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल में ही हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किया था। उद्घाटन के कुछ दिन बाद ही पश्चिम बंगाल के मालदा में ट्रेन पर पथराव के खबर सामने आई। उसके बाद से पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार की जबरदस्त तरीके से आलोचना हो रही है। भारतीय जनता पार्टी भी ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर हमलावर है और पूरे घटना की एनआईएसे जांच कराने की मांग कर रही है। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस लगातार इसे साजिश बता रही है। इन सबके बीच ममता बनर्जी ने पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि वंदे भारत ट्रेन पर पथराव बंगाल में नहीं बल्कि बिहार में किया गया है। इससे पहले ममता बनर्जी से बुधवार को भी इससे जुड़ा सवाल पूछा गया था। लेकिन उन्होंने कहा था कि मैं गंगासागर मेले में जा रही हूं। अच्छे मूड में हूं। उस पर सवाल मत पूछिए। लेकिन आज ममता बनर्जी ने पूरे घटनाक्रम पर तोड़ी चुप्पी है। उन्होंने कहा कि बंगाल में नहीं, बिहार में वंदे भारत पर पथराव किया गया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य को बदनाम करने के लिए गलत खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने वंदे भारत ट्रेन को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा। ममता ने कहा कि वंदे भारत कुछ और नहीं बल्कि एक पुरानी ट्रेन है जिसे नए इंजन के साथ नया रूप दिया गया है।

ग्लोबल वार्मिंग का असर: भारत में 122 सालों में सबसे गर्म रहा दिसंबर का महीना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने बताया कि 2022 का दिसंबर माह को भारत में 122 साल में सबसे गर्म माह के रूप में रिकार्ड किया गया है। पूरे देश में दिसंबर 2022 के दौरान उच्चतम तापमान न्यूनतम तापमान और औसत तापमान तीनों में ही जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार दिसंबर में इस तरह गर्मी में बढ़ोतरी असामान्य बात रही और मौसम में बदलाव का यह चलन डरावना है और इसका संबंध जलवायु परिवर्तन से है। जलवायु विशेषज्ञों और मौसम विज्ञानियों ने कहा कि जलवायु संकट के संदर्भ में इस तरह के रिकॉर्ड की उम्मीद की जानी चाहिए।

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में औसत अधिकतम तापमान 27.32 डिग्री सेल्सियस औसत न्यूनतम तापमान 15.65 डिग्री सेल्सियस और पूरे महीने का औसत तापमान 21.49 डिग्री सेल्सियस रहा जो कि सामान्य से काफी ज्यादा है। आईएमडी के मुताबिक इस अवधि के दौरान सामान्यतः अधिकतमत औसत तापमान 26.53 डिग्री न्यूनतम औसत तापमान 14.44 डिग्री और महीने का औसत तापमान 20.49 डिग्री सेल्सियस रहता है।

इस बार दिसंबर में औसत अधिकतम तापमान औसत न्यूनतम तापमान और पूरे महीने का औसत तापमान सामान्य से क्रमशः 0.79 डिग्री सेल्सियस 1.21 डिग्री सेल्सियस और 1.00 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। पूरे भारत में दिसंबर के दौरान औसत अधिकतम तापमान 2016 के बाद सबसे ज्यादा रहा। वहीं औसत न्यूनतम तापमान 2008 के बाद रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। वहीं दिसंबर के औसत तापमान की बात की जाए तो यह 122 साल के इतिहास में अपने सबसे उच्चतम स्तर पर रहा। पूर्व उत्तर पूर्व और मध्य भारत में दिसंबर में असाधारण उच्च तापमान दर्ज किया गया।

पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में औसत अधिकतम तापमान 122 वर्षों में सबसे अधिक 25.85 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वर्ष 2008 (12.70 डिग्री सेल्सियस) और 1958 (12.47 डिग्री सेल्सियस) के बाद दिसंबर 2022 में औसत न्यूनतम तापमान तीसरा उच्चतम (12.37 डिग्री सेल्सियस) था। पूरे महीने का औसत तापमान भी सबसे अधिक 19.11 डिग्री सेल्सियस रहा।

विशेषज्ञों ने कहा कि ला नीना वर्ष में इतना उच्च तापमान असामान्य है। जलवायु परिवर्तन की निश्चित रूप से औसत तापमान बढ़ाने में भूमिका होती है। 'हां यह एक ला नीना वर्ष है लेकिन यूरोप गर्मी की लहर का अनुभव कर रहा है। उन्होंने असामान्य रूप से उच्च तापमान दर्ज किया है। जलवायु वैज्ञानिक और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव एम राजीवन ने कहा हमारा दिसंबर का डेटा भी यही दर्शाता है। ग्लोबल वार्मिंग ने ला नीना के प्रभाव को कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा कि हमें यह विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि दिसंबर में तापमान में वृद्धि का कारण क्या था लेकिन समग्र रिकॉर्ड को निश्चित रूप से जलवायु परिवर्तन से जोड़ा जा सकता है। ला नीना ईएनएसओ (एल नीनो-साउथर्न आक्सीलेशन) की 'शीत अवस्था' होती है यह पैटर्न पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागरीय क्षेत्र के असामान्य शीतलन को दर्शाता है। वहीं अल नीनो एक जलवायु पैटर्न है जो पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में सतही जल के असामान्य रूप से तापन की स्थिति को दर्शाता है। यह ईएनएसओ घटना की 'उष्ण अवस्था' है। अल नीनो की घटना जो कि आमतौर पर एक वर्ष से अधिक समय तक नहीं रहती है के विपरीत ला नीना की घटनाएं एक वर्ष से तीन वर्ष तक बनी रह सकती हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अंडमान के दो दिवसीय दौरे पर

पोर्ट ब्लेयर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अंडमान एवं निकोबार कमांड (एएनसी) की परिचालन संबंधी तैयारियों की समीक्षा के लिए बृहस्पतिवार को पोर्ट ब्लेयर पहुंचेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय अंडमान दौरे के दौरान राजनाथ अंडमान एवं निकोबार कमांड के 16वें कमांडर-इन-चीफ (सीआईएनसीएएन) लेफ्टिनेंट जनरल अजय सिंह के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक करेंगे, ताकि उन्हें समग्र परिचालन स्थिति के बारे में जानकारी मिल सके। केंद्रीय मंत्री का दोपहर करीब डेढ़ बजे पोर्ट ब्लेयर पहुंचने का कार्यक्रम है। अधिकारियों के अनुसार, राजनाथ के यात्रा कार्यक्रम में ग्रेट निकोबार द्वीप स्थित कैंपबेल बेल पर सैन्य निगरानी शामिल है, जहां पर नौसैनिक हवाई अड्डा आईएनएस बाज स्थित है। उन्होंने बताया कि चुनौतियों से निपटने की आईएनएस बाज की क्षमताओं का जायजा लेने के लिए रक्षा मंत्री ने खुद निजी तौर पर इस नौसैनिक हवाई अड्डा का दौरा करने की इच्छा जताई थी।

राम मंदिर पर बोले अमित शाह

कांग्रेसी इसको कार्ट में उलझा रहे थे, मोदी के आने के साथ ही सुप्रीम का फैसला आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने आज साफ तौर पर कहा है कि कांग्रेस ने राम मंदिर निर्माण को लेकर लगातार उलझाने पैदा की है। दरअसल, अमित शाह आज त्रिपुरा में हैं। त्रिपुरा में उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनना चाहिए कि नहीं बनना चाहिए, जबसे बाबर तोड़ कर गया तब से और जब से देश आजाद हुआ तब से, कांग्रेसी इसको कोर्ट के अंदर उलझा रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। शाह ने कहा कि मोदी जी ने उसी दिन राम मंदिर का भूमि पूजन पूरा कर मंदिर निर्माण शुरू कराया। 1 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर तैयार मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमने कश्मीर से धारा 370 हटाने का काम किया, कांग्रेस कहती थी खून की नदियां बह जाएंगी, लेकिन कश्मीर में

शांति का वातावरण बन गया है।

कांग्रेस पर हमला करते हुए अमित शाह ने कहा कि सोनिया-मनमोहन सरकार में आए दिन पाकिस्तान से घुसपैठिए आकर हमारे जवानों को मारकर चले जाते थे, लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती थी। मोदी जी आए तो उरी और पुलवामा में उन्होंने गलती की, लेकिन वो भूल गए अब यहां मोदी सरकार है। उन्होंने कहा कि 10 ही दिन के अंदर सर्जिकल और एयर स्ट्राइक कर, पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकियों की धज्जियां उड़ाकर लौट आए। पाकिस्तान को करारा जवाब देने का काम मोदी जी ने किया। गृं मंत्री ने कहा कि कम्युनिस्टों ने पूरे त्रिपुरा को ड्रग्स और नशे का अड्डा बनाकर रखा था, बांग्लादेश से घुसपैठियों के लिए दरवाजे खोले थे, भारतीय जनता पार्टी ने घुसपैठ को रोका, ड्रग्स को रोका और युवाओं को रोजगार की ओर ले जाने का काम किया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि त्रिपुरा 21 जनवरी को अपना 50वां स्थापना दिवस मनाएगा। राज्य के इतिहास के 5 दशकों में से लगभग 3 दशकों में कम्युनिस्टों का शासन देखा गया। उन्होंने कहा कि कम्युनिस्टों के शासन के दौरान त्रिपुरा ने जिस हिंसा और घुसपैठ का अनुभव किया, वह बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से गायब हो गई है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने 'चलो पलटाई' का मंत्र दिया था, और त्रिपुरा के लोगों ने राज्य से कम्युनिस्टों के शासन को उखाड़ फेंक कर पूरी लगन से इसका पालन किया। उन्होंने कहा कि पिछले 5 वर्षों में त्रिपुरा में भाजपा ने जो विकास किया है, वह सिर्फ एक शुरुआत है - सिर्फ एक ट्रेलर है, और यह मत भूलिए कि 'पिक्चर अभी बाकी है'!

पुंछ और राजौरी में सुरक्षाबलों की तैनाती, महबूबा मुफ्ती का सवाल- अगर हालात ठीक तो और फौज क्यों ला रही भाजपा?

जम्मू (एजेंसी)। हाल में ही जम्मू कश्मीर में आतंकी हमले के मद्देनजर सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त कर दिए गए हैं। जम्मू के सीमावर्ती जिलों राजौरी और पुंछ में सीआरपीएफ के 2000 से अधिक जवानों को तैनात किया गया है। जानकारी के मुताबिक राजौरी और

पुंछ जिलों में सुरक्षा को मजबूत करने के लिए यह कदम उठाया गया है। अब इसको लेकर अब राजनीति भी शुरू हो गई है। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भाजपा पर ही सवाल उठा दिया है। अपने बयान में महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यहां और सुरक्षा बल लाने से मसला तो हल नहीं होगा बल्कि यहां पर दो भाइयों को आपस में लड़ाने की स्थिति बन जाएगी।

महबूबा मुफ्ती सवाल खड़े करते हुए कहा कि अगर हालात ठीक है तो भाजपा यहां पर और फौज क्यों ला रही है? उन्होंने साफ कहा कि इसका यही मतलब है कि बीजेपी यहां की स्थिति को कंट्रोल करने में पूरी तरह नाकामयाब हो गई है। एक अधिकारी ने बताया कि राजौरी और पुंछ जिलों में सुरक्षा मजबूत करने के लिए बड़ी संख्या में सीआरपीएफ की 20 से अधिक कंपनियों को तैनात किया जा रहा है जिनमें दो हजार से अधिक जवान शामिल हैं।'' उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ के महानिरीक्षक और अन्य शीर्ष अधिकारी जवानों की तैनाती की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की तैनाती जारी है। उन्होंने कहा कि ऐसा राजौरी और पुंछ में अल्पसंख्यक क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए किया जा रहा है।

सीएम योगी का बैंकिंग सेक्टर से न्यू इंडिया का न्यू यूपी बनाने का आह्वान

मुंबई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी में ज्यादा से ज्यादा निवेश को आकर्षित करने की कोशिशों में जुटे हैं. इसी कड़ी में वे दो दिवसीय मुंबई दौरे पर हैं. यहां उन्होंने उद्योग से लेकर फिल्म जगत के दिग्गजों तक से मुलाकात की. उद्योगपतियों को उन्होंने राज्य में ज्यादा से ज्यादा निवेश करने के लिए आमंत्रित किया. वहीं उत्तर प्रदेश में बन रही फिल्म सिटी को लेकर उन्होंने फिल्म जगत के लोगों से भी मुलाकात की. सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बैंकिंग सेक्टर और वित्तीय संस्थाओं से जुड़े दिग्गजों के साथ बातचीत की. इस दौरान उन्होंने इस क्षेत्र से जुड़े लोगों की सभा को भी संबोधित किया. उत्तर प्रदेश में सुधरी कानून-व्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि यूपी में पहले शाम होने के बाद बेटियां डर से बाहर नहीं निकलती थीं. आज मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कह सकता हूं कि प्रदेश में बेटियों को बुरी नजर से देखने की हिम्मत किसी में नहीं है. मैं उत्तर प्रदेश में आप सभी को आमंत्रित करता हूं. आप राज्य में मौजूद अपार संभावनाओं का फायदा उठाएं और उत्तर प्रदेश के प्रगतिशील बदलाव की यात्रा में हमारा सहयोगी बनें ताकि नए भारत को और संपन्न और ताकतवर बनाया जा सके. उन्होंने कहा कि वर्ष

2017 में जब मेरी सरकार बनी थी तो मैंने बैंक वालों को आमंत्रित किया था. वित्तीय हालात ठीक न होने की वजह से बैंक सामने नहीं आए. आज मुझे आप लोगों को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि उत्तर प्रदेश अब रिवेन्यू सरप्लस (राजस्व आधिक्य) स्टेट बन गया है. हमारा वार्षिक बज भी दोगुना हो चुका है. पिछले 5-6 वर्षों में इंफ्रास्ट्रक्चर का काफी विकास किया गया है. रेल सड़क एयर और जलमार्ग के नेटवर्क को विकसित किया गया है ताकि उद्योग जगत के लिए ग्लोबल के साथ ही घरेलू बाजार तक आसान और तेज पहुंच सुनिश्चित हो सके. उत्तर प्रदेश देश का एकमात्र राज्य है जहां 5 अंतरराष्ट्रीय स्तर के एयरपोर्ट हैं. यूपी लैंड-लॉक्ड स्टेट है लेकिन यहां पहला इनलैंड वाटरवे विकसित की गई है. यूपी में देश का सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क भी है. बैंक और वित्तीय संस्थानों के सहयोग के बिना विकास कार्य को पूरा करना संभव नहीं था. आपके सहयोग से उत्तर प्रदेश का कायापलट हो चुका है.

भाजपा और संघ की 'विभाजनकारी' विचारधारा से मुकाबले का जरिया है 'भारत जोड़ो यात्रा' : कांग्रेस

शामली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली जाने वाली अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की 'विभाजनकारी' विचारधारा से मुकाबले का जरिया करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह यात्रा कोई 'इवेंट' नहीं, बल्कि एक'मूवमेंट' है, जो जारी रहेगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान शामली के ऊंचा गांव में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'यह चुनाव जिताऊ यात्रा नहीं है, यह भारत को जोड़ने की यात्रा है। पहली बार कांग्रेस ने विचारधाराओं के मुकाबले को पहचाना है। हमें विचारधारा की जो जंग कई साल पहले लड़नी थी आज हम इस स्थिति में हैं कि हम कह सकते हैं कि भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से हम विचारधारा के मुकाबले में उतरे हैं।' रमेश ने कहा, 'देश में इस वक्त दो विचारधाराओं के बीच सीधी टक्कर है। एक भाजपा और संघ की विचारधारा है और दूसरी कांग्रेस की विचारधारा है।' उन्होंने कहा, ÷इस यात्रा से कांग्रेस संगठन में नयी ऊर्जा पैदा हुई है। यह संगठन के लिए एक संजीवनी है। 'भारत जोड़ो यात्रा' कोई इवेंट नहीं है। यह एक मूवमेंट है, जो चलता रहेगा। यह यात्रा वोट के लिए नहीं निकाली जा रही है।' रमेश ने कहा, 'चुनावों पर इस यात्रा का क्या असर होगा, यह मैं नहीं कह सकता। चुनावी राजनीति अलग है। वह हमारे संगठन पर निर्भर करता है। आरएसएस की 'विभाजनकारी' सोच का जहर हमारे समाज में हर कोने में पहुंच गया है।' उन्होंने कहा, 'पिछले 10 वर्षों में अनेकता में एकता की भावना को दबाने की जो कोशिश की गई है, उसे विफल करने के लिए पांच साल, 10 साल, 15 साल तक लगेंगे। हम इसके खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे।' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने रेडियो पर प्रसारित किए जाने वाले प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'भारत जोड़ो यात्रा, मन की बात की यात्रा नहीं है। इसमें राहुल गांधी बोलते कम हैं और सुनते ज्यादा हैं।' उन्होंने कहा, 'भारत जोड़ो यात्रा भाषणबाजी का मौका नहीं है। समाज के अलग-अलग वर्ग-किसान, दलित, आदिवासी, महिलाएं, युवा और पूर्व सैनिक यात्रा के दौरान राहुल से मिलते हैं। उनके साथ पदयात्रा करते हैं। दोपहर में उनके साथ बैठक की जाती है। आज भी दो बैठकें होंगी। कल भी दो बैठकें हुई थीं। यह यात्रा जनता की चिंताएं समझने के लिए निकाली गई है।

जम्मू-कश्मीर में अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए मोदी सरकार का मेगा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में नये साल की शुरुआत ही आतंकवादी हमले से होने के चलते केंद्र शासित प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के सरकारी दावों पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। खासतौर पर सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले हिंदू अल्पसंख्यकों के मन में भय व्याप्त हुआ है जिसको देखते हुए केंद्र की मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा को और बढ़ाने का अहम निर्णय लिया है। हम आपको बता दें कि जम्मू में सीमावर्ती जिलों राजौरी और पुंछ में अल्पसंख्यक क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के वास्ते केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दो हजार से अधिक जवानों को तैनात किया जा रहा है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, ''राजौरी और पुंछ जिलों में सुरक्षा मजबूत करने के लिए बड़ी संख्या में सीआरपीएफ की 20

से अधिक कंपनियों को तैनात किया जा रहा है जिनमें दो हजार से अधिक जवान शामिल हैं।'' उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ के महानिरीक्षक और अन्य शीर्ष अधिकारी जवानों की तैनाती की निगरानी कर रहे हैं।

इस बीच, राजौरी के उपायुक्त विकास कुंडल ने बुधवार को दोहरे आतंकवादी हमलों में घायल हुए आठ लोगों को एक-एक लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की। उन्होंने सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल का दौरा किया और वहां इलाज करा रहे घायलों का हालचाल पूछा। हम आपको बता दें कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहले हमलों में मारे गए लोगों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये और घायलों को एक-एक लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी। कुंडल ने घायलों से बातचीत की और शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता भी व्यक्त की। उन्होंने उन्हें प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग और सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने अस्पताल के कर्मियों को घायलों को हर संभव इलाज मुहैया कराने का निर्देश दिया।

दुनिया में एक बार फिर आ सकती है कोरोना की नई लहर पर इस बार कम रहेगा मौत का आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी डब्ल्यूएचओ ने पूरी दुनिया में फिर से कोरोना वायरस संक्रमण की नई लहर आने का अंदेशा जताया है। राहत की बात यह है कि कोविड-19 की नई लहर में मौत का आंकड़ा काफी कम रह सकता है। डब्ल्यूएचओ ने ओमिक्रॉन के नए सबवेरिएंट एक्सबीबी.1.5 को अभी तक का सबसे ज्यादा संक्रामक रूप माना है। हर दूसरे सप्ताह इससे संक्रमित लोगों की तादाद दोगुनी हो जा रही है। डब्ल्यूएचओ ने एक्सबीबी.1.5 सबवेरिएंट से उत्तर-पूर्वी अमेरिका को सबसे ज्यादा प्रभावित माना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने उत्तर-पूर्वी अमेरिका में एक्सबीबी.1.5 सबवेरिएंट के काफी तेजी से हो रहे फैलाव पर चिंता भी जाहिर की है। कोरोना संक्रमण के लिहाज से चीन भी पूरी दुनिया के लिए खतरा बना हुआ है।

डब्ल्यूएचओ की अधिकारी मारिया वान केरखोव ने बताया कि ओमिक्रॉन का नया सबवेरिएंट एक्सबीबी.1.5 अभी तक का कोरोना का सबसे ज्यादा तेजी से फैलने वाला रूप है। डब्ल्यूएचओ के पास अभी इस सबवेरिएंट की गंभीरता को लेकर कोई डाटा नहीं है। अभी तक इस बात के संकेत नहीं मिले हैं कि यह पहले मिले सबवेरिएंट के मुकाबले संक्रमितों को ज्यादा बीमार करने में सक्षम है। फिलहाल एक्सबीबी.1.5 का फैलाव अमेरिका में ज्यादा हो रहा है।

अमेरिका में तेजी से हो रहे इसके फैलाव ने स्वास्थ्य संगठन को चिंता में डाल दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि तकरीबन हर दूसरे सप्?ताह एक्सबीबी.1.5 संक्रमितों की संख?या दोगुनी हो जा रही है। मारिया ने बताया कि यह वायरस कोशिकाओं में असाधारण रूप से चिपक जाता है जिससे इसे आसानी से म्यूटेट करने में मदद मिलती है।

डब्ल्यूएचओ की मारिया वान ने बताया कि फिलहाल 29 देशों में एक्सबीबी.1.5 सबवेरिएंट से संक्रमित लोग मिल चुके हैं। उन्होंने इसके अन्य देशों में फैलने का अंदेशा जताया है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि दुनियाभर में जीनोम सीक्वेंसिंग की रफ्तार धीमी पड़ने से कोविड-19 के अन्य वेरिएंट के बारे में जानकारी जुटाना कठिन हो गया है। एक्सबीबी.1.5 की गंभीरता के बारे में अभी तक पर्याप्त जानकारी नहीं मिल सकी है। डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञ इसकी गंभीरता का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ की मारिया वान ने बताया कि एक्सबीबी.1.5 सबवेरिएंट जितना फैला

रहा है उतना ही इसमें बदलाव आने की आशंका बढ़ रही है। मारिया ने दुनिया में कोरोना संक्रमण की नई लहर आ सकती है लेकिन इस बार बड़ी तादाद में लोगों की मौत नहीं होगी। उन्होंने इसकी वजह बताते हुए कहा कि इस बार कोरोना से निपटने की प्रक्रिया भी चल रही है जिससे लोगों को मौत के मुंह में जाने से बचाया जा सकता है। बता दें कि इस वक्त चीन पूरी दुनिया के लिए खतरा बना हुआ है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

स्कूल की बच्चियों को गुड टच बेड टच, सेल्फ डिफेंस, साइबर क्राइम फ्रॉड, जैसी जानकारी दी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बुलंदी द गर्ल्स पावर के द्वारा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था इस कार्यक्रम के माध्यम से हम टीम के मेंबर्स महिलाओं और बच्चों को जागृत करना चाहते हैं हमारे टीम मेंबर में गुप्ता दीप्ति प्रेम सागर, गुप्ता रोशनी हरिशंकर , पटेल शिवानी रामजस, पांडे गोल्डी कृपाशंकर, मिश्रा स्नेहा बब्बन, पाल काजल राजदेव, सैनी सोनिया गणेश जी इस कार्यक्रम का आयोजन किया.

सभी की सहायता से हमने बच्चों तथा महिलाओं को बाल अधिकार, आत्म सुरक्षा, और महिला सुरक्षा के बारे में जानकारी दी है। हमने बताया कि अगर वह किसी ऐसी स्थिति में फस जाएं जहां से निकलना मुश्किल हो तो किससे संपर्क करें कैसे उस जगह से बाहर निकले और लोगों को और बच्चों को कविता के माध्यम से जागृत किया। हमारा उद्देश्य यह है कि महिलाएं हमारे विस्तार में सुरक्षित रहें और आए दिन जो यह महिलाएं, बच्चे के अत्याचार के प्रमाण में बढ़ते जा रहे हैं वह कम हो। ओर इस कार्यकर्म में सचिन होमगार्ड यूनिट,सूरत शहर के ट्रेनिंग इंस्क्टर प्रकाशकुमार मौर्य(प्लाटून सार्जेंट) राकेश मौर्य (ताइक्वांडो मार्शल आर्ट्स ,ब्लैक बेल्ट) रीता मौर्य ,सपना साकेत उपस्थित रहे कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता की जय , वंदे मातरम् के जय कारों के साथ सुरु किया गया जिसमे प्रकाशकुमार मौर्य द्वारा स्कूल की बच्चियों को गुड टच बेड टच, सेल्फ डिफेंस, साइबर क्राइम फ्रॉड , जैसी जानकारी दी पांडेसरा विस्तार में आए दिन हो रहे अपराधो को रोकने के लिए ये सारे अभियान चलाए जा रहे हे ।

जिसमे स्वरक्षण तालीम राकेश मौर्य (ब्लेकबेल्ट) ने गर्ल्स को प्रेक्टिस कर के सभी ट्रिप्स बताई गई की आप कभी मुसीबत में फँस जाए तो अपने आप को बचाने के लिए क्या करोगे ।

सभी बच्चों ने शपथ ली कि हम अपने पांडेसरा विस्तार में हो रही बच्चियों के अपराध के खिलाफ आवाज उठाएंगे और अपने विस्तार में से क्राइम को खत्म करने में पुलिस की सहायता करेंगे ऐसे ही सभी माता-पिता जागृत हो और अपनी बच्चियों को जागृत बनाएं और ट्रेनिंग दे जिससे की बच्चियां लड़ सके बच्चों के हेल्पलाइन के लिए 1098 पर और महिलाओ के लिए 181 पर संपर्क कर के मदद ले सकते हे यह कार्यक्रम स्कूल के अंदर बहुत ही सुंदर बहुत ही शांति से संपन्न हुआ।

नींद में चलने की बीमारी से ग्रस्त युवक तीसरी मंझिल से नीचे गिरा उपचार के दौरान मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर के लिंबायत क्षेत्र से माता-पिता को सतर्क करने वाली घटना सामने आई है। इस घटना में एक युवक की तीसरी मंझिल से गिरकर मौत हो गई। युवक की नींद में चलने की बीमारी थी और इसी बीमारी की वजह से उसकी जान चली गई। जानकारी के मुताबिक सूरत के लिंबायत क्षेत्र के अंबानगर में एजाजखान पठान परिवार के साथ रहते हैं और ऑटो रिक्शा चलाकर जीवनयापन करते हैं। एजाजखान के 17 वर्षीय बेटा शहबाज पठान में एक कारखाने में काम कर परिवार को आर्थिक मदद करता था। मंगलवार की रात शहबाज चलते चलते खिड़की के पास पहुंच गया और वहां से नीचे जा गिरा। तीसरे मंझिल से शहबाज के गिरने के बाद परिवार समेत आसपास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए और गंभीर हालत में उसे एम्ब्युलैंस 108 की मदद से स्मिमेर अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान शहबाज की मौत हो गई। पुलिस की जांच में शहबाज के नींद में चलते चलते तीसरी मंजिल से गिरने के कारण मौत होने का खुलासा हुआ है।

सवा घंटे में चोरों ने दस दुकानों के शटर तोड़ डाले

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. पुणा-पाटिया क्षेत्र में स्थित एनजे कॉम्प्लेक्स में घुसे चोर करीब सवा घंटे के भीतर एक के बाद दस दुकानों का शटर तोड़ कर नकदी समेत हजारों रुपए का सामान चुरा कर फरार हो गए। कुछ दुकानों के सीसीटीवी कैमरों में दो संदिग्ध युवक कैद हुए है। इस घटना से व्यापारी अपने जान-माल की सुरक्षा को लेकर चिन्ता का माहौल हैं।

पीड़ित व्यापारियों ने बताया कि चोरी की यह घटना रात 12.33 मिनट से 1.47 बजे के दौरान हुई। संदिग्ध हालात में दो युवक कॉम्पलेक्स में आए। उन्होंने कॉम्प्लेक्स के बैजमेंट में विश्वकर्मा ट्रेवल्स, जाखड़ ट्रेवल्स की दो दुकानों, शुभम श्रीनाथ ट्रेवल्स, श्री करनी ट्रेवल्स, राठौड़ ट्रेवल्स, एमजे टी स्टॉल, पॉवर प्वाइंट इनवर्टर शॉप, समेत अन्य दुकानों के शटर तोड़ कर अंदर प्रवेश किया।

चोरों ने करणी ट्रेवल्स से करीब 24 हजार रुपए नकद, शुभम श्रीनाथ ट्रेवल्स से लेपटॉप व 2 हजार 880 रुपए चुराए। अन्य दुकानों से भी काउन्टर में रखी कुछ नकदी चुराई लेकिन कोई अधिक कीमती सामान उनके हाथ नहीं लगा। चुराया गया सामान लेकर चोर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर बुधवार सुबह पुणागाम पुलिस भी मौके पर पहुंची।

पुलिस ने पीड़ितों से पूछताछ कर उनकी लिखित शिकायत दर्ज की। साथ ही घटना के सीसीटीवी फुटेज भी लिए।कॉम्प्लेक्स में कोई सुरक्षाकर्मी नहीं सरीराम चौधरी ने बताया कि एनजे कॉम्प्लेक्स में अधिकतर सूरत से राजस्थान के विभिन्न शहरों में जाने वाले निजी बसों के बुकिंग कार्यालय है। फिलहाल कॉम्प्लेक्स में कोई सुरक्षाकर्मी नहीं है। कॉम्प्लेक्स की कुछ दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं।पुलिस की रात्रि गश्त पर उठ रहे सवाल

स्थानीय किशोरसिंह शेखावत ने पुलिस की रात्रि गश्त पर सवाल उठाते हुए कहा कि कॉम्प्लेक्स पुणागाम पुलिस थाने से मात्र 500 मीटर की दूरी पर है। सूरत-कडोदरा मुख्य मार्ग पर है। जहां रात भर वाहनों की आवाजाही रहती है, कथिततौर पर पुलिस की रात्रि गश्त भी होती है।

फिर भी चोर बेखौफ होकर एक साथ इतनी दुकानों के शटर तोड़ते हैं और सामान चुरा कर फरार भी हो जाते हैं लेकिन पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगती ?इनका कहना

चोरी बैजमेंट की दुकानों में हुई हैं। मुख्य मार्ग से बैजमेंट का हिस्सा नजर नहीं आता। चोरी के संबंध में पीड़ित व्यापारियों से लिखित शिकायत ली गई है। चोरों की तलाश की जा रही है।- वी.एम. कालोदरा (थाना प्रभारी, पुणागाम)

किराने और पान की दुकानों पर गांजा बेचने की योजना बना रहे दो पकड़े गये

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भरूच नेशनल हाईवे पर पुलिस ने एक बस में 1.33 करोड़ के गांजे के साथ 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये तीनों गांजा सप्लाई करने के लिए सूरत आते थे। सूरत एसओजी ने दो मुख्य आरोपी को दबोचा जो सूरत में प्रोविजन स्टोर और पान के गल्ले पर गांजा की गोलियां बेचते थे।

भरूच में पकड़े गए 1.33 करोड़ के गांजा मामले में सूरत एसओजी ने दो प्रमुख मुखबिरों को दबोचा

भरूच एसओजी ने गत तीन जनवरी को राष्ट्रीय राजमार्ग 48 से गुजर रही एक निजी लग्जरी बस को रोका था। इसमें से 1.33 करोड़ रुपए की 1334 किग्रा की भारी मात्रा में गांजे के साथ तीन आरोपीयों को गिरफ्तार किया है। आरोपीयों से पूछताछ में उन्होंने कबूल किया कि वे सूरत में रहने वाले दो युवकों को गांजा देने जा रहे थे। भरूच पुलिस ने तुरंत सूरत शहर की पुलिस से संपर्क किया और उन्हें वांछित आरोपियों के बारे में जानकारी दी। इन दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए एसओजी की टीम लगी हुई थी।

किराने की दुकान की आड़ में गांजे की गोलियां बेचने वाले दोनों शहर से फरार होने के फिराक में थे

एसओजी पीआई ए पी चौधरी ने अपनी टीम को सूचना दी और दो आरोपी सूरत से भागने की फिराक में सहारा दरवाजा अशोका होटल के सामने इकट्ठा होने जा रहे हैं। सूचना के आधार पर निगरानी की व्यवस्था की गई और अंबालाल रूजी कलाल (उम्र 53, मकान नंबर 44/ए रत्नप्रभा सोसाइटी, लिंबायत, अजय नगर के पास और मूल निवासी राजसमद, राजस्थान) और उदयलाल छगुजी प्रजापति (उम्र 20, मकान नंबर 47 बालाजीनगर सोसायटी, नवागाम डिंडोली) को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों से पूछताछ करने पर पता चला कि वे अपने घर के नीचे किराना दुकान चलाते हैं। और उन्होंने भरूच में गिरफ्तार आरोपियों से ये गांजा की गोलियां मंगवाईं जिसे सूरत में पान के गल्ले और किराना स्टोर पर बेचने का आदेश दिया गया था।

2 लाख का बीमा पकाने के लिए खुद को मरा हुआ बताने वाले एलआईसी पैनल के डॉक्टर को 7 साल की सजा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

2 लाख का क्लेम पकाने के लिए एलआईसी के पैनल डॉक्टर ने स्वयं की एक दुर्घटना के बाद मृत्यु हो गई होने का गलत पीएम रिपोर्ट और मृत्यु प्रमाण पत्र एलआईसी को प्रस्तुत किया था। हालांकि, एलआईसी की टीम के स्पोट विजिट पर जाने से आरोपी डॉक्टर और उसकी पत्नी की पोल उजागर हो गई।

पान के गल्ले वाले ने डॉक्टर की पोल खोल दी

बुधवार को मामले में अंतिम बहस के बाद कोर्ट ने दंपति को 7-7 साल की सजा सुनाई। पूरा कांड तब सामने आया जब एलआईसी का एक कर्मचारी मौका मुआयना करने गया और पास के एक गल्ले पर खड़ा था। तभी आरोपी डॉक्टर की बात निकली तो पान के गल्ले वाले ने कहा, 'सर! वह

अभी कहां मरा, मैं उसे हर दिन देखता हूं। वे अभी मेरे सामने घर में गए हैं।'

यह सुनकर अधिकारी उसके घर गया और दरवाजे की घंटी बजाने पर दरवाजा खुला और डॉक्टर खुद वहां खड़ा था। पूरे कांड में अपराध दर्ज होने के बाद डॉक्टर ने क्लेम के 2 लाख का भुगतान कर दिया, लेकिन वह सजा से बच नहीं सका। एपीपी दीपेश दवे ने पूरे मामले में सरकार की ओर से पैरवी की।

पत्नी सहधर्मचारिणी, पति को रोकना चाहिए : कोर्ट

कोर्ट ने आरोपी डॉ. पकंज और मीना मोदी को सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि पत्नी को सहधर्मचारिणी कहा जाता है। यानी अगर पति कुछ गलत करता है तो पत्नी का नैतिक कर्तव्य है कि वह उसे वापस सही रास्ते पर लाए। लेकिन इस मामले में पत्नी ने सहयोग किया है। पत्नी के खाते में क्लेम का पैसा आ गया है। दोनों ने पुलिस, अस्पताल, नगर पालिका को उलझाकर स्वयं किस हद तक जा सकते हैं, इसका खुलासा कर दिया है।

पेट्रोल पंप पर गैस सिलेंडर से भरे टेंपो के केबिन में लगी आग

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के एक पेट्रोल पंप पर पहुंचे गैस सिलेंडर से भरे टेंपो में अचानक आग लगने की घटना सामने आई है। टेंपो के केबिन में आग लगने के बाद पेट्रोल पंप पर अफरातफरी का माहौल देखा गया। हालांकि कर्मियों की मुस्तैदी से इस पूरी घटना में कोई हताहत नहीं हुआ।

पेट्रोल पंप पर अग्निशमन यंत्रों का प्रयोग किया गया

एक टेंपो भेस्तान पेट्रोल पंप पर पहुंचा। टेंपो में डीजल भरते समय आग लग गई। टेम्पो में गैस सिलेंडर क्षमता से अधिक भरा हुआ था। ऐसे में अगर पेट्रोल पंप पर आग लगने की घटना होती है तो यह चिंता का विषय बन जाता है।

एचपी गैस सिलिन्डरों से भरे टेंपो में डीजल भरते समय सामने से धुंआ निकलने लगा। टेंपो चालक को धुंआ नजर आने से वह समझ गया की टेम्पो में आग लगी है। इस आग को तत्काल प्रभाव से नियंत्रण में लाने के लिए प्रयास कर रहा था। तभी एक पेट्रोल पंप कर्मचारी ने निडर होकर अग्नि सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग किया। इसकी मदद से आग पर काबू पाया गया जिससे गैस सिलेंडर से भरे टेंपो में ज्यादा आग नहीं फैली।

एक बड़ा हादसा टल गया

विनायक जादव ने कहा सुबह यहा आइसर टेंपो आया था। अचानक केबिन में आग लग गई। इसलिए हमारे पास मौजूद अग्नि सुरक्षा उपकरणों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया।

अगर समय रहते इस पर काबू नहीं पाया जाता तो एक बड़ा हादसा हो सकता था क्योंकि यह एचपी गैस के सिलिन्डरों का वाहन था। टेम्पो के अंदर रखी सारी बोतलें गेस से भरी हुई थीं। लेकिन पंप कर्मचारी की नजर से एक बड़ा हादसा टल गया।

15 फीट के पर्दे बुनने में सक्षम दुनिया की सबसे लंबी जेकक्कार्ड मशीन पहली बार सीटेक्स में दिखेगी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसजीसीसीआई) और दक्षिण गुजरात चैंबर ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट सेंटर ने संयुक्त रूप से तीन दिवसीय च्च सूरत इंटरनेशनल टेक्सटाइल एक्सपो-2023ज्ज (सीटेक्स) का आयोजन 7, 8 और 9 जनवरी, 2023 को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक सरसाना के सूरत इंटरनेशनल एक्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में किया गया है। सीटेक्स 2023 का उद्घाटन समारोह शनिवार, दि. 7 जनवरी, 2023 को प्रात: 10 बजे से होनी है। प्रदर्शनी का उद्घाटन भारत की वस्त्र और रेल राज्य मंत्री दर्शनाबेन जरदोश द्वारा किया जाएगा, जो मुख्य अतिथि और उद्घाटन समारोह के रूप में उपस्थित होंगी।

पहली बार 420 सेमी लंबी डबल पन्ना मशीन का प्रदर्शन किया जाएगा

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष हिमांशु बोडावाला ने कहा, यह चैंबर द्वारा आयोजित पूरे कपड़ा उद्योग की मशीनरी को कवर करने वाली प्रदर्शनियों की च्सीटेक्सज्ज श्रृंखला की सातवीं प्रदर्शनी है। टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी और मशीनरी की इस प्रदर्शनी से सूरत के बढ़ते टेक्सटाइल उद्योग को सीधा फायदा होगा। भारत के केंद्रीय कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने कपड़ा उद्योग से 2030 तक कपड़ा उद्योग को 250 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाने और देश से वस्त्रों के निर्यात को 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का आह्वान किया है।

हिमांशु बोडावाला ने कहा कि पहली बार 420 सेमी लंबी डबल पन्ना मशीन सूरत के सीटेक्स में प्रदर्शित की जाएगी। इस मशीन की खासियत है कि यह बड़े-बड़े कालीन, 15 फीट लंबे पर्दे एक बार में बुन सकती है। इस मशीन की मदद से सूरत के निर्माता होम फर्निशिंग के क्षेत्र में भी आगे बढ़ सकेंगे।

हाई स्पीड इलेक्ट्रिक जेकक्कार्ड मशीनरी और मल्टी फीडर सर्कुलर निटिंग मशीन लॉन्च की जाएगी

ऑल एक्जीबिशन के चेयरमैन और चैंबर के संयोजक बिजल जरीवाला ने कहा कि इस एग्जीबिशन में भारत में बनी हाई स्पीड इलेक्ट्रिक जेकक्कार्ड मशीन को लॉन्च किया जाएगा। इस हाई स्पीड इलेक्ट्रिक जेकक्कार्ड मशीन को बिना गडर लगाए न्यूनतम ऊंचाई (8.5) पर डायरेक्ट मशीन पर आसानी से फिट किया जा सकता है। इसके अलावा इस मशीनरी की वजह से जैक्कार्ड लगाने के लिए गटर लगाने की जरूरत नहीं पड़ती है। जैक्कार्ड ऊंचाई वाले घर की आवश्यकता नहीं है। डायरेक्ट मशीन फिटिंग किसी भी ऊंचाई पर की जा सकती है और जाला (हार्नेस) कटने का डर नहीं रहता।

इसके अलावा सीटेक्स प्रदर्शनी में सुपर हाई स्पेक टीएफओ के साथ भारत में निर्मित 40 आरपीएम और 2688 हुक वाली एक इलेक्ट्रॉनिक जैक्कार्ड मशीन भी लॉन्च की जाएगी। इसके अलावा, एक मल्टी फीडर सर्कुलर निटिंग मशीन भी लॉन्च की जाएगी। एम्ब्रायडरी और जेक्कार्ड फैब्रिक के लिए उपयोगी पोजिशनल डिजिटल प्रिंटिंग मशीनें भी आकर्षण का केंद्र होंगी।

बिना पिलर वाले एसी डोम के अलावा बाहर एक अलग डोम बनाया गया था

सीटेक्स प्रदर्शनी के अध्यक्ष सुरेश पटेल ने कहा कि सरसाना स्थित कन्वेंशन सेंटर च्सूरत इंटरनेशनल एक्जीबिशनज्ज में 1.30 लाख वर्ग फीट में प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिसमें 100 से अधिक स्टॉल पीलर लेस एसी हॉल और बारह अलग-अलग बूथों पर होंगे। कपड़ा मशीनरी, सहायक उपकरण निर्माताओं और उनके दुनिया के सबसे उन्नत उत्पादों सहित प्रौद्योगिकी के साथ एयर जेट वॉटर जेट करघे सहित मशीनें प्रदर्शित की जाएंगी।

आधुनिक टेक्सटाईल मशीनरी आकर्षण का केंद्र होगी

रेपियर जैक्कार्ड मशीन - 420 सेमी,
दुनिया का सबसे लंबा करघा और एयरजेट डबल पन्ना
400 आरपीएम-2688 हुक इलेक्ट्रॉनिक जैक्कार्ड -मेक इन इंडिया कढ़ाई और जेकक्कार्ड कपड़े पर डिजिटल प्रिंटिंग के लिए उपयोगी पोजीशन प्रिंटिंग मशीन
550 आरपीएम - रेपियर जैक्कार्ड -
विस्कोस के लिए दुनिया का सबसे तेज़ हाई स्पीड जूम
1100 आरपीएम एयरजेट - जापानी तकनीक
बहु फीडर सर्क्युलर बुनाई मशीन
एम्ब्रोईडरी और ब्रीडिंग मशीन
एयरजेट - जॉर्जेट 2700 म 2700 टीपीएम यार्न
सुपर हाई-स्पीड टीएफओ